दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 144/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 29 दिसंबर 2022 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सूर्यकुमार यादव क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2022 के लिए नॉमिनेट

सांध्य प्रकाश विशेष

आनलाइन गेमिंग के लिए केंद्र नियम बनाएगा

आनलाइन गेमिंग उद्योग में लंबे समय से एक केंद्रीकृत विनियमन की मांग चल रही थी, केंद्र ने अब जल्द ही ऑनलाइन गेमिंग पर एक उचित नीति या एक नया कानून लाने का फैसला किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार समाज पर ऑनलाइन गेमिंग के प्रभाव को महसूस करते हुए इस तरह का कदम उठाने की योजना बना रही है। हाल ही में मंत्री ने सभी राज्यों के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रियों के साथ बैठक की, जो ऑनलाइन गेमिंग के प्रभाव को लेकर चिंतित थे।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को एक उच्च-स्तरीय टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की जो राज्य में ऑनलाइन गेमिंग स्पेस को विनियमित करने के लिए सिफारिशें करेगी।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, हर राज्य ने समाज पर ऑनलाइन गेमिंग के प्रभाव के बारे में गंभीर चिंता दिखाई है, विशेष रूप से इसके नशे की लत वाले हिस्से - लोग आदी हो रहे हैं, लोग अजीब तरह से व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, जो सामाजिक मानदंडों के भीतर नहीं है, जो समाज के सद्भाव को प्रभावित कर रहा है। इसलिए, सरकार ने सभी हितधारकों के साथ एक बहुत ही गंभीर परामर्श प्रक्रिया शुरू की है। हम बहुत जल्द एक उचित नीति के साथ आने में सक्षम होंगे जिसमें एक नया कानून या विनियमन भी शामिल हो सकता है, उन्होंने कहा।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकारों को अपने अधिकार क्षेत्र में ऑनलाइन गेमिंग से संबंधित कानून और व्यवस्था के मुद्दों की देखरेख करने का काम सौंपा जाएगा, यहां तक कि केंद्र सरकार उद्योग के लिए व्यापक नियमों को परिभाषित करती है। कानूनी ढांचा, जो गेमिंग बिचौलियों के लाइट टच विनियमन प्रदान करेगा, उन्हें शिकायत निवारण अधिकारियों और नोडल संपर्क अधिकारियों को नियुक्त करने की भी आवश्यकता होगी जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों से निपट सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा, जनवरी के मध्य तक सार्वजनिक परामर्श के लिए नए नियम पेश किए जाने की संभावना है।

दंडात्मक प्रावधान

उद्योग अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। नियमों को इस तरह से बनाया जाना चाहिए कि अनुपालन का बोझ छोटे खिलाड़ियों और नए प्रवेशकों पर जितना संभव हो उतना कम हो, एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा। केवल कुछ पहलू हैं - जैसे सामग्री की वैधता, सेवा और खेलों में अत्यधिक हिंसा - जिसकी सावधानीपूर्वक निगरानी की जाएगी। केंद्र द्वारा यह भी सुझाव दिए जाने की संभावना है कि राज्य ऑनलाइन खेलों पर एकमुश्त प्रतिबंध न लगाएं, बल्कि केवल गंभीर चूक के मामलों में उन्हें दंडित करें। हम आपराधिक और सख्त दंडात्मक प्रावधानों को खत्म करने पर विचार कर रहे हैं ताकि उद्योग बिना किसी डर के नया करने और आगे बढ़ने में सक्षम हो सके। निश्चित रूप से, उचित रेलिंग हमेशा रहेगी, ऊपर उद्धृत अधिकारियों के अनुसार, जिन्होंने कहा, शुरुआत में ये राज्यों को हमारा सुझाव होगा। आगामी नियम मध्यवर्ती दिशानिर्देशों और डिजिटल मीडिया आचार संहिता के समान होने की संभावना है जिसे 2021 में पेश किया गया था और इस वर्ष की शुरुआत में फिर से काम किया गया था।

स्क्रूटनी बनाए रखना

गेमिंग कंपनियों को अपने ग्राहक को जानने के कड़े नियमों को लागू करने के लिए भी कहा जाएगा - सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र के साथ इसे सत्यापित करके खिलाड़ियों की सही उम्र स्थापित करना। गेमिंग बिचौलियों को इन-गेम ऐड-ऑन खरीदने के लिए उपयोग किए जाने वाले तरीकों की अतिरिक्त जांच करने की भी आवश्यकता होगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी क्रेडिट या डेबिट कार्ड का बार-बार इन-गेम अतिरिक्त खरीदने या अतिरिक्त खेलने का समय खरीदने के लिए उपयोग किया जाता है, तो गेमिंग कंपनियां खरीदार की संभावित आयु स्थापित करने के लिए इन पैटर्नों का विश्लेषण कर सकती हैं, या यदि नाबालिग द्वारा कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन पहलुओं पर गौर किया जा सकता है। निश्चित रूप से, हमें इन मुद्दों पर पर्याप्त परामर्श की आवश्यकता होगी, अधिकारियों ने कहा। मई में गठित सात सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी टास्क फोर्स में नीति आयोग के सदस्य, गृह मंत्रालय के सचिव, राजस्व विभाग, उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ ही आईटी सचिव भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग का रिमोट वोटिंग सिस्टम तैयार

शहर-राज्य से दूर होने पर भी डाल सकेंगे वोट, 16 जनवरी को डेमो

नई दिल्ली। भारत में जल्द ही घर से दूर रहे लोगों को रिमोट वोटिंग की सुविधा मिलेगी। मतलब चुनाव के दौरान वोट करने के लिए अपना काम छोड़कर मूल निवास तक जाना अनिवार्य नहीं होगी। जहां रह रहे हैं, वहीं मतदान की सुविधा मिलेगी। चुनाव आयोग ने इसके लिए रिमोट ईवीएम तैयार की है। पूरी व्यवस्था का प्रोटोटाइप तैयार कर लिया गया है और 16 जनवरी 2023 को विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच रखा जाएगा। सब कुछ ठीक रहा तो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में यह सुविधा दी जाएगी। इसका सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को होगा, जो नौकरी या काम के लिए अन्य शहरों में रह रहे हैं।

चुनाव आयोग ने रिमोट वोटिंग पर एक नोट भी जारी किया है और इसे लागू करने में कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार मांगे हैं। विभिन्न पक्षों से प्राप्त फीडबैक और प्रोटोटाइप के प्रदर्शन के आधार पर चुनाव आयोग इस पद्धति को लागू

करने की प्रक्रिया पर आगे बढ़ेगा।

रिमोट ईवीएम की मदद से एक दूरस्थ मतदान केंद्र से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान किया जा सकता है। इस बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार का कहना है कि %इससे न केवल युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा सकेगा बल्कि शहरों के उदासीनता मतदाता भी लोकतंत्र के यज्ञ में हिस्सा ले पाएंगे। यह चुनावी लोकतंत्र में भागीदारी को मजबूत करने के लिए परिवर्तनकारी पहल होगी।

रिमोट वोटिंग के तहत व्यक्ति अपने मतदान केंद्र से दूर रहकर भी वोटिंग कर सकेगा। इसके लिए उसके पास अपना पहचान पत्र होना अनिवार्य है। दरअसल, पिछले दिनों विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से इस संबंध में मांग की गई थी। कहा गया था कि प्रवासी श्रमिक और अपने निवास से दूर शहर की कंपनी में काम कर रहे हैं, वो मतदान नहीं कर पाते हैं। इनका मतदान सुनिश्चित करने के लिए भी चुनाव आयोग व्यवस्था बनाए।

मध्य प्रदेश के 19 नगरीय निकायों में मतदान 20 जनवरी को, क्षेत्र में आदर्श संहिता प्रभावशील

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के 19 नगरीय निकायों का चुनाव कार्यक्रम बुधवार को घोषित कर दिया है। इसके साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। मतदान 20 जनवरी को सुबह सात से शाम पांच बजे तक ईवीएम से कराया जाएगा। इन निकायों का कार्यकाल इसी माह पूरा हो रहा है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने बताया कि 30 दिसंबर से चुनाव की सूचना का प्रकाशन किया जाएगा और नाम निर्देशन-पत्र लेने का क्रम शुरू होगा, जो छह जनवरी 2023 (दोपहर तीन बजे) तक लिए जाएंगे। नाम निर्देशन-पत्रों की जांच सात जनवरी को होगी और नौ जनवरी तक अभ्यर्थी नाम वापस ले सकेंगे। इसी दिन चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जाएगा। मतगणना और चुनाव परिणाम की घोषणा 23

जनवरी को सुबह नौ बजे से की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इन नगरीय निकायों में 343 वार्ड और 720 मतदान केंद्र हैं। जिन पर पांच लाख सात हजार 308 मतदाता वोट डालेंगे। इनमें से दो लाख 60 हजार 301 पुरुष, दो लाख 46 हजार 969 महिला और 38 अन्य मतदाता हैं।

यहां होने हैं चुनाव

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राकेश सिंह ने बताया कि गुना जिले की नगर पालिका परिषद राघौगढ़-विजयपुर, बड़वानी जिले की बड़वानी, सेंधवा और धार जिले की धार, मनावर एवं पीथमपुर में चुनाव होगा। अनूपपुर जिले की नगर परिषद जैतहरी, खंडवा जिले की ओंकारेश्वर, बड़वानी जिले की खेतिया, पानसेमल, पलसूद, राजपुर, अंजड़ और धार जिले की नगर परिषद धरमपुरी, धामनोद, कुक्षी, राजगढ़, सरदारपुर और डही में चुनाव कराएं जाएंगे।

बंगाल को भी मिलने जा रही वंदे भारत की सौगात, पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे जहां वे राष्ट्रीय गंगा परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करने के अलावा हावड़ा को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, प्रधानमंत्री कोलकाता मेट्रो की पर्पल लाइन के जोका-तारातला खंड का भी उद्घाटन करेंगे और विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और कुछ का लोकार्पण करेंगे।

पीएमओ के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री नौसेना के बेस आईएनएस नेताजी सुभाष पहुंचेंगे और वहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वे श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय जल और स्वच्छता संस्थान (डीएसपीएम-निवास) का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत पश्चिम बंगाल के लिए कई सीवरेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और कुछ का लोकार्पण करेंगे। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12 बजकर 25 मिनट पर राष्ट्रीय गंगा परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पीएमओ ने कहा, देश में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के एक और कदम के तहत प्रधानमंत्री 30 दिसंबर को कोलकाता में राष्ट्रीय गंगा परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, राष्ट्रीय गंगा परिषद के सदस्य अन्य केंद्रीय मंत्री और उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

इन परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

पीएमओ ने कहा कि इन परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल में 200 एमएलडी से अधिक की सीवेज शोधन क्षमता में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री 1585 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत विकसित की जाने वाली 5 सीवरेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (8 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और 80 किलोमीटर नेटवर्क) की आधारशिला भी रखेंगे। इन परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल में 190 एमएलडी नई एसटीपी क्षमता बढ़ेगी। इन परियोजनाओं से उत्तरी बैरकपुर, हुगली-चिनसुरा, कोलकाता केएमसी क्षेत्र- गार्डन रीच और आदि गंगा (टॉली नाला) और महेस्तला शहर के क्षेत्रों को लाभ होगा। डीएसपीएम-निवास को लगभग 100 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कोलकाता के डायमंड हार्बर रोड स्थित जोका में विकसित किया गया है।

केसरी और पांडेय मुख्यमंत्री के नए मीडिया सलाहकार बने

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दो लोगों की मीडिया सलाहकार के रूप में नियुक्ति की है। ये देश की राजधानी दिल्ली व मायानगरी मुंबई में बैठकर मीडिया की नब्ज टटोलकर सीएम हाउस को उसके अनुरूप रणनीति बताएंगे।

मध्य प्रदेश शासन ने दो मीडिया सलाहकारों की नियुक्ति आदेश जारी किए हैं

जिनमें एक पूर्व आईएएस अधिकारी आईसीपी केसरी हैं तो दूसरे अजयकुमार पांडेय हैं। केसरी तो मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस रहे हैं लेकिन अजयकुमार पांडेय मध्य प्रदेश के लिए अपरिचित चेहरा बताया जाता है। ये दोनों ही नियुक्तियां आगामी आदेश तक के लिए की गई हैं। केसरी का मुख्यालय नई दिल्ली होगा, तो पांडेय के लिए मुंबई मुख्यालय रहेगा।

कप सिरप से बच्चों की मौत का मामला, कंपनी ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

नई दिल्ली। उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर कफ सिरप पीने 18 बच्चों की मौत के मामले में नोएडा स्थित दवा निर्माता कंपनी मेरियन बायोटेक ने बयान जारी किया है। कंपनी ने मामले में दुख जताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कंपनी के लीगल हेड हसन हारिस ने कहा कि हादसे में हुई मौतों के लिए हम दुखी हैं। सरकार जांच कर रही है। हम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेंगे। सैम्पल ले लिए गए हैं। उस उत्पाद का निर्माण फिलहाल रोक दिया गया है।

भारत के लिए अगले 40 दिन मुश्किल

कोरोना का खतरा

चीन समेत 6 देशों से आने वालों पर बढ़ेगी सख्ती, अगले हफ्ते से जरूरी हो सकती है निगेटिव आरटी पीसीआर

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जनवरी के मध्य में भारत में कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं। पिछले ट्रेंड्स के एनालिसिस के बाद यह माना जा रहा है कि अगले 40 दिन देश के लिए मुश्किल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, देश में कोरोना की एक और लहर आ सकती है। ऐसे में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की जा रही है। दरअसल, ऐसा देखा गया है कि ईस्ट एशिया को प्रभावित करने के 30 से 35 दिनों बाद ही भारत में नई लहर पहुंची थी। यह एक ट्रेंड रहा है, जिसके आधार पर यह दावा किया जा रहा है।

भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच चीन समेत 6 देशों से आने वाले यात्रियों पर अगले हफ्ते से सख्ती बढ़ाई जा सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हॉन्गकॉन्ग, थाईलैंड और सिंगापुर से आने वाले पैसेंजर्स को एयर सुविधा फॉर्म भरना और 72 घंटे पहले का निगेटिव आरटी पीसीआर रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य किया जा सकता है।

इधर, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार को कोवीशील्ड की दो करोड़ डोज फ्री देने के कहा है। सीआईआई में सरकार और नियामक मामलों के डायरेक्टर प्रकाश कुमार सिंह ने इस मामले पर स्वास्थ्य मंत्रालय को लेटर लिखा है। लेटर में उन्होंने 410 करोड़ रुपए की फ्री डोज देने की बात कही है।

मुंबई-चेन्नई में दो, कर्नाटक में चार केस मिले

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को रैंडम सैंपलिंग के दौरान दो विदेशी यात्री कोविड पॉजिटिव पाए गए। दोनों के सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेज दिया गया है। उधर, बुधवार को दुबई से आए दो यात्री चेन्नई एयरपोर्ट पर कोविड पॉजिटिव मिले हैं। ये दोनों तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई के अलंगुडी जिले के रहने वाले हैं। वहीं, कर्नाटक में भी चार लोग पॉजिटिव पाए गए। ये सभी लोग विदेश से भारत लौटे हैं।

राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक की शिकायत पर सीआरपीएफ का जवाब- वे खुद ही कर रहे नियमों का उल्लंघन

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक के मामले को कांग्रेस ने जोर-शोर से उठाया है। एक दिन पहले पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल ने इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिख सुरक्षा चूक मामले की शिकायत की थी।

अब इसे लेकर केंद्रीय रिजर्व सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) का जवाब आया है। सीआरपीएफ ने कहा है कि राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर जो गाइडलाइंस जारी की गई हैं, उन्हें खुद राहुल गांधी की तरफ से तोड़ा गया है। राहुल को इन सुरक्षा उल्लंघनों की जानकारी समय-समय पर दी जाती रही हैं।

राहुल गांधी 113 बार सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर चुके- सीआरपीएफ ने कहा कि राहुल गांधी 2020 से लेकर अब तक 113 बार सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर चुके हैं। उन्हें हर बार इस बारे में जानकारी दी गई। भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली चरण में भी उनके साथ चल रहे लोगों ने सुरक्षा नियमों को तोड़ा है और सीआरपीएफ इस मुद्दे पर अलग से डील करेगी। सुरक्षाबल के मुताबिक, राहुल के लिए सभी सिक्योरिटी के इंतजाम किए गए हैं। यह बताना अहम है कि जब भी सुरक्षा पाए किसी व्यक्ति का दौरा होता है, तो उसकी सुरक्षा की तैयारी सीआरपीएफ राज्य की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से करती है। 24 दिसंबर को भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली चरण के लिए सीआरपीएफ ने 22 दिसंबर को ही तैयारियां कर ली थीं। सभी सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन किया गया और दिल्ली पुलिस की तरफ से जरूरी बल मुहैया कराया गया था।

गया में चीन की महिला जासूस, दलाई लामा और बोधगया पर नजर रखने वाली महिला का स्केच जारी

दो हजार पुलिसकर्मियों सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी कर रही है काम

गया। आध्यात्मिक धर्मगुरु दलाई लामा का इस बार बिहार दौरा जिला प्रशासन और सरकार के लिए सिरदर्द बन गया है। पहले उनका प्रवचन सुनने आए लोगों के साथ कोरोना आया और अब एक चीनी जासूस की गतिविधियों की जानकारी से राज्य सरकार और जांच एजेंसियों को हिला दिया है। पुलिस और जांच एजेंसी चीनी संदिग्ध महिला का स्केच जारी कर उसकी तलाश कर रही है, हालांकि अबतक हाथ खाली है।

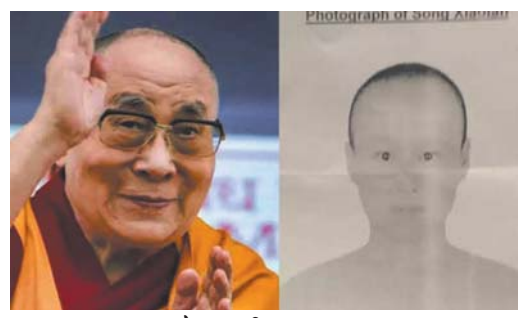

धर्मगुरु दलाई लामा कुछ दिनों से गया में हैं। उनके आसपास कड़ी सुरक्षा है। चार स्तर की सुरक्षा की परिधि की अनुमति के बाद ही कोई उनतक पहुंच सकता है। उनकी सुरक्षा पर आतंकवाद निरोधक दस्ता की नजर है और दो हजार पुलिसकर्मियों सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी काम कर रही हैं। ऐसे में एक संदिग्ध चीनी महिला की जानकारी सामने आई है, जो उनपर नजर रख रही थी। इस जानकारी के साथ ही जिला प्रशासन और खुफिया एजेंसी उस संदिग्ध महिला को ढूंढ़ने में जुटी है। पुलिस और जांच एजेंसियां सभी होटलों, मठ और लॉज सहित सभी संभावित ठिकानों को खंगाल रही है। यह डर इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि बोधगया पुलिस ने करीब तीन महीने पूर्व भी एक होटल से एक संदिग्ध चीनी जासूस को हिरासत में लिया था। उस संदिग्ध चीनी महिला की पहचान अबतक सांग जियालोन के रूप में की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन पर 120 मिसाइलें दागीं

कीव। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर हवाई और समुद्री इलाकों से 120 मिसाइलें दागी हैं। इन मिसाइलों के धमाके राजधानी कीव समेत 7 शहरों में सुने गए हैं। इसके बाद से पूरे यूक्रेन में एयर रेड का अलर्ट जारी कर दिया गया है। इसके पहले 15 नवंबर को भी रूस ने यूक्रेन पर 100 मिसाइलें दागी थीं। इनमें से 2 मिलाइलें पोलैंड में गिरीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के सलाहकार माईखाइलो पोडोलियाक के मुताबिक, हमला रिहायशी इलाकों पर किया गया है। उन्होंने कहा- यहां कई इमारतें तबाह हो गई हैं। कीव के अलावा ल्वीव, खार्किव, माइकोलिव, ओडेसा, पोल्टावा और जिटोमिर में भी धमाकों की आवाजें सुनी गई है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने लोगों से अपील की कि जब तक रूस हवाई हमले बंद नहीं कर देता है वो बंकरों में ही रहें।

ल्वीव शहर के मेयर एंड्री सदोवी ने कहा- 90त्न इलाके में बिजली नहीं है। वाटर सप्लाई सिस्टम भी ठप हो गया है। मिसाइलों ने जहां इमारतों को नुकसान पहुंचाया है, वहीं सैकड़ों लोग कड़कड़ाती सर्दी में बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं।

ग्राम पंचायतों में सामूहिक 15 दिवसीय आनंद उत्सव 14 जनवरी से

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

आनंद विभाग द्वारा आनंद उत्सव का आयोजन 14 से 28 जनवरी तक किया जाएगा। जीवंत सामुदायिक जीवन, नागरिकों की जिदंगी में आनंद का संचार करता है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आनंद उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋजुराज सिंह ने आनंद उत्सव आयोजन में विकासखंड स्तरीय समिति एवं कार्यक्रम आयोजन समिति गठित करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हुजूर, बैरसिया, कोलार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैरसिया एवं फंदा और मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका बैरसिया को समिति गठन के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

समूह स्तर पर खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा

सिंह ने बताया कि राज्य वित्त आयोग के अनुसार तीन ग्राम पंचायतों का एक क्लस्टर बनाया जाकर प्रति क्लस्टर राशि रूपए 15 हजार तक आनंद उत्सव कार्यक्रम में पंचायत द्वारा व्यय की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि आनंद उत्सव कार्यक्रम की विस्तृत कार्य योजना तैयार कर आनंद उत्सव स्थलों की जानकारी के साथ 31 दिसंबर तक कार्यक्रम का विवरण एवं संस्थान की वेबसाइट पर दर्ज करें। आयोजन के दौरान कोविड-19 संबंधी जारी दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। सिंह ने बताया कि आनंद उत्सव का उद्देश्य नागरिकों में सहभागिता एवं उत्साह को बढ़ाने के लिए समूह स्तर पर खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है जिसमें कबड्डी, खो-खो, बोरा रेस, रस्साकसी, चेयर रेस, सितोलिया, चम्मच दौड़, नीबू दौड के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे लोक संगीत, नृत्य गायन, भजन कीर्तन, नाटक एवं स्थानीय स्तर पर अन्य कार्यक्रम किए जा सकेंगे।

3 जनवरी को निकलेगा नगर कीर्तन, 5 जनवरी को मनेगा गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश उत्सव

भोपाल। राजधानी में पांच जनवरी को सिख पंथ के दसवें गुरु गोबिंद सिंह के 356वें प्रकाशोत्सव पर्व मनेगा। हमीदिया रोड स्थित गुरुद्वारा में विशेष कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। इससे पहले तीन जनवरी को नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जो आनंद नगर गुरुद्वारा से दोपहर दो बजे प्रारंभ होगा और विभिन्न गुरुद्वारों से होते हुए रात 10 बजे हमीदिया रोड स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर समाप्त होगा। नगर कीर्तन के साथ गुरु साहिब की पालकी के अतिरिक्त गतका पार्टी व पंच प्यारों की संगत भी साथ चलेगी।

बलिदान की याद में नौ दिवसीय जागृति मार्च का समापन

हमीदिया रोड गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से शहर में पहली बार निकाली जा रही गुरु गोविंद सिंह, माता गुजरी बाई और उनके चार बेटों के बेटों को समर्पित नौ दिवसीय समर्पित जागृति यात्रा का समापन गुरुवार को होगा। यात्रा गुरुद्वारा पंजाबी बाग से गुरुद्वारा गुरुनानकपुरा, गुरुद्वारा माता साहिब कौर, जिंसी चौराहा, काली माता मंदिर, भारत टॉकीज से हमीदिया रोड पर समाप्त होगी। यहां अरदास की जाएगी और लंगर का आयोजन किया जाएगा।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष परमवीर सिंह वजीर ने बताया कि इस समागम की विषेशता यह रही कि समागम सिख महिलाओं को समर्पित था। समागम की पूरी सेवा जैसे कीर्तन, अरदास, हुक्मनामा, प्रसाद वितरण आदि सेवाएं स्त्री सतसंग के जत्थों द्वारा निभाई गई। समागम में भोपाल के कुल 12 स्त्री सत्संग के जत्थों ने कीर्तन की सेवा निभाई जिसमें गुरुद्वारा गुरुनानक टेकरी साहिब, विजयनगर, टीलाजमालपुरा, बाउली साहिब, हमीदिया रोड, सुभाषनगर, पंजाबी बाग एवं गुरुद्वारा गुरनानकपुरा के जत्थे शामिल थे। इस दौरान मार्ग में हर चौराहे पर शहादत के बारे में लोगों को फिल्म दिखाई जा रही है।

नेहरू नगर करुणाधाम के पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य महाराज ने जरूरतमंद बच्चों को इतना सक्षम बनाने की पहल शुरू की है। बच्चों की मदद करने के लिए करुणाधाम आश्रम ने आइसेक्ट यूनिवर्सिटी के साथ एक करार किया है। इसमें आश्रम के उद्योग विशेष एवं आइसेक्ट के विशेषज्ञ जरूरतमंद बच्चों के लिए निश्शुल्क रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की व्यवस्था करेंगे। जिससे रोजगार ढूंढ़ने में प्रभावी प्रमाण पत्र मिलेगा। बच्चों को रोज़गार हेतु इंटरव्यू की सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर करुणाधाम के पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य महाराज के अलावा आइसेक्ट यूनिवर्सिटी भोपाल के डायरेक्टर सिद्धार्थ चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैरसिया के मतदान दलों के प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर नियुक्त

भोपाल । राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत आम / उप निर्वाचन 2022 उत्तरार्ध के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन श्री अविनाश लवानिया ने निर्वाचन के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। जनपद पंचायत बैरसिया के सभाकक्ष में मतदान दलों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है। नोडल अधिकारी प्रशिक्षण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री ऋजुराज सिंह ने प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर नियुक्त करने के आदेश जारी किए है जिसमें डॉ. बबन सयेके, डॉ. शोयेब खान और श्री सिद्धांत जैन शासकीय महाविद्यालय बैरसिया को मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया। नोडल अधिकारी प्रशिक्षण श्री ऋजुराज सिंह ने बताया कि मतदान दलों के प्रशिक्षण के तिथि की सूचना पृथक से दी जाएगी।

पद का दुरूपयोग कर आर्थिक अनियमितताएं कर रहे भाजपा पदाधिकारी:विवेक त्रिपाठी

भोपाल। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपराधियों और माफियाओं पर कार्यवाही करने के लिए खुले मंच से ऐलान कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनकी ही पार्टी के पदाधिकारी सरकार की योजनाओं में भारी मात्रा में आर्थिक अनियमितताएं कर लाखों करोड़ों रुपए का गबन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के विवेक त्रिपाठी ने शिवराज सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह आखिर कब तक अपराधियों और माफियाओं का संरक्षण करते रहेंगे प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच चुका हैं प्रदेश की जनता को योजनाओं के नाम पर सरकार घोषणा कर लोलीपॉप देकर छोड़ देती हैं और जो कुछ योजनाओं का निम्न वर्गीय परिवारों गरीबों जो थोड़ा बहुत योजना का लाभ मिल पाता हैं उसमें भी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी अधिकारियों से सांठगांठ और उनके ऊपर दबाव बना कर आर्थिक अनियमितताएं के साथ साथ भारी योजनाओं पर पलीता लगा देते हैं जिससे उन योजना का भी लाभ नहीं मिल पाता हैं। विवेक त्रिपाठी ने बताया कि हालही में देवास जिले की लोहारदा नगर परिषद में प्रधानमंत्री आवास योजना में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा देवास के मीडिया प्रभारी सतीश चौहान और परिषद के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर योजना की राशि में आर्थिक अनियमितताएं करी।

सब्जी मंडियों व हाट बाजारों को साफ, स्वच्छ, व्यवस्थित एवं प्लास्टिक मुक्त बनाए : महापौर

मण्डियों व हाट बाजार समितियों के अध्यक्षों की बैठक आहूत कर किया आह्वान

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

महापौर मालती राय ने भोपाल को स्वच्छता में नंबर 1 बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत शहर की विभिन्न मण्डियों व हाट बाजारों की समितियों के अध्यक्षों की बैठक आहूत कर सभी मण्डियों व हाट बाजारों सहित अन्य बाजार क्षेत्रों को साफ, स्वच्छ, व्यवस्थित एवं पॉलीथीन/प्लास्टिक मुक्त रखने का आह्वान किया और भोपाल शहर को स्वच्छता में नंबर 01 बनाने हेतु स्वच्छता की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग की अपील भी की। महापौर मालती राय ने बुधवार को शहर की विभिन्न मण्डियों एवं हाट बाजारों आदि की समितियों के अध्यक्षों की बैठक आहूत की और स्वच्छता संवाद भी किया। महापौर श्रीमती राय ने शहर को साफ, स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त बनाए रखने हेतु मण्डियों एवं बाजार क्षेत्रों को साफ, स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने का आह्वान किया। महापौर श्रीमती राय ने मण्डियों व हाट बाजारों के अध्यक्षों को समझाइश दी कि हाट बाजारों व मण्डियों में प्रतिबंधित पॉलीथीन व प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें और ग्राहकों को स्वयं कपड़े का थैला लाने हेतु प्रेरित भी करें।

महापौर ने आवागमन की सुविधा के दृष्टिगत सड़को आदि पर अव्यवस्थित ढंग से दुकाने ठेले आदि न लगाने और आवंटित स्थलों से ही अपना व्यवसाय करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने दुकानों/संस्थानों पर गीला-सूखा कचरा पृथक-पृथक रखने की भी समझाइश दी। महापौर को इस दौरान अध्यक्षों ने अपनी समस्याओं से भी अवगत कराया।

कुशाभाऊ ठाकरे एवं सुंदरलाल पटवा की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

भोपाल। वरिष्ठ नेता स्व. कुशाभाऊ ठाकरे एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा की पुण्यतिथि पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, महापौर मालती राय व निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने स्व. ठाकरे एवं स्व. पटवा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित स्मरण सभा में हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी सहित अनेक जन प्रतिनिधियों व वरिष्ठ समाजसेवी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

इंजीनियरिंग, मेडीकल और श्रमोदय के विद्यार्थियों से युवा नीति पर हुआ संवाद

भोपाल । श्रम विभाग की युवा नीति में युवाओं से परामर्श कर सुझाव प्राप्त करने के लिए श्रम विभाग के अंतर्गत तीन श्रम कल्याण मंडलों जिसमें मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल और मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा अपने युवा हितग्राहियों को समक्ष में आमंत्रित कर विचार विमर्श किया गया। तीनों मंडलों के इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज और श्रमोदय विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। उप सचिव श्रम संजय जैन ने बताया कि युवाओं द्वारा चर्चा में राज्य युवा नीति के विजन और उपदेशों पर मंथन किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा पूरे उत्साह के साथ युवा नीति के सुझाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जैन ने बताया कि प्राप्त सुझाव अत्यंत रचनात्मक थे इनमें मुख्य रूप से भविष्य में कैरियर निर्माण में आने वाली चुनौतियों से निपटने के उपाय, विद्यालय तथा महाविद्यालयों में एनसीसी, एनएसएस और योग जैसी गतिविधियों को अनिवार्य किया जाना कौशल विकास महिलाओं के लिए समान अवसर, सायबर क्राइम से बचाव तथा पर्यावरण शिक्षा आदि से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए है। जैन ने कहा कि श्रम विभाग द्वारा इन सुझावों को प्रस्तावित नीति में सम्मिलित करने की अनुशंसा के साथ अग्रेषित किया जाएगा।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उपलब्धि अर्जित करें :संभागायुक्त

भोपाल। संभाग आयुक्त मालसिंह भयड़िया ने संभाग के सभी जिलों में स्वास्थ्य संबंधी अभियानों की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपलब्धि अर्जित करें अन्यथा वेतनवृद्धि आदि रोकने की कार्यवाही की जायेगी।

भयड़िया बुधवार को कमिश्नर सभाकक्ष में समीक्षा कर रहे थे। कमिश्नर भयड़िया ने गर्भवती माताओं और बच्चों के टीकाकरण में अपेक्षाकृत कम उपलब्धि को गंभीरता से लिया और निर्देश दिए कि एक माह में लक्ष्य अनुरूप टीकाकरण सुनिश्चित करें । उन्होंने संबल योजना के तहत प्रसूति सहायता और निश्चय योजना के तहत क्षय रोगियों के भत्ता वितरण में भी तेजी लाने के निर्देश दिए । मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा में भी उन्होंने प्रसव पूर्व जांच के लिये आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं । बैठक में गंभीर कुपोषित बच्चों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कमिश्नर ने सभी प्रकरणों में मापदंड अनुसार उपचार और पूरक पोषण आहार के निर्देश दिए। इस दौरान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, अंधत्व निवारण, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम, मीजल्स अभियान, मलेरिया अभियान, बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण आदि की भी समीक्षा की गई।

बैठक में कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि नसबंदी और अंधत्व निवारण अभियान का प्लान बनाकरण 100 फीसदी लक्ष्य अनुसार उपलब्धि अर्जित करें । उन्होंने स्कूल और सभी छात्रावास तथा आश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश दिए और निजी विद्यालयों के लिए भी शिविर लगाने के लिये कहा है । उन्होंने संपूर्ण कायाकल्प अभियान की समीक्षा करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए । इस दौरान सी एम हेल्पलाइन, अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन प्रकरण, विभागीय जांच प्रकरणों की भी समीक्षा की गई है । बैठक में संयुक्त संचालक लोक स्वास्थ्य सेवाएं, सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और संयुक्त आयुक्त विकास सुदर्शन सोती भी उपस्थित थे ।

क्रेडिट कार्ड के नाम पर धोखाधडी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

सायबर क्राईम ब्रान्च की टीम द्वारा क्रेडिट कार्ड के केशबैक पाइण्ट रीडिम करने के नाम पर फरियादी के साथ 1,35,000/-रूपये की धोखाधडी करने वाले 3 आरोपियों को जयपुर राजस्थान से गिरफ्तार किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार फरियादी के द्वारा सायबर क्राइम ब्रान्च में शिकायत आवेदन दिया था कि 27 अक्टूबर 2022 को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड के केशबैंक पाइण्ट रीडिम करने का मेसेज आया, केषबैंक पाइण्ट रीडिम करने के लिये मेसेज में लिंक दी गई थी। लिंक पर क्लिक करने पर एक पेज खुला जिस पर बैंक का मोनो लगा हुआ था तो फरियादी के द्वारा उस पेज में क्रेडिट कार्ड नंबर एवं सीवीवी नंबर एण्टर करने पर फरियादी के क्रेडिट कार्ड 95000, 40000 कुल 1,35,000/-रूपये धोखाधडी पूर्वक कट गये।

शिकायत आवेदन में आये तथ्यों एवं प्राप्त तकनीकि जानकारी के आधार पर बैंक खाता एवं धोखाधडी में उपयोग किये गये मोबाइल नंबर के उपयोगकर्ताओं के विरूद्ध अपराध क्रमांक 151/2022 धारा 419,420 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपीगण लोगो को क्रेडिट कार्ड के केषबैक पाइण्ट रीडिम करने लिये मेसेज भेजते है। मेसेज में क्रेडिट कार्ड पाइण्ट रीडिम करने के लिंक भेजते है लिंक पर क्लिक करने पर एक पेज ओपन होता है जिसमें बैंक को मोनो प्रदर्षित होता है। पेज में क्रेडिट का नंबर एवं सीवीवी भरने पर आरोपीगणों क्रेडिट कार्ड से पैसा अपने खाते में ट्रॉसफर कर लेते है। लिंक को आरोपीगणों के द्वारा एक्सेस किया जाता है। सायबर क्राइम जिला भोपाल की टीम द्वारा अपराध कायमी के पष्चात त्वरित कार्यवाही कर तकनीकि एनालिसिस से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर फरियादी को क्रेडिट के केषबैंक पाइण्ट रीडिम करने के नाम पर धोखाधडी करने वाले गिरोह की 03 आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया है एवं घटना में प्रयुक्त 09 मोबाइल एवं 01 लेपटॉप को जप्त किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपी फरार है जिनकी तलाष की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय एक्सपो में छाया निवारे मसाला उद्योग

भोपाल। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय एग्री एवं हाटी एक्सपो 2023 में निवारे मसाला उद्योग द्वारा भी अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है प्रबंध संचालक निवारे मसाला उद्योग सुमंत निवारे ने बताया कि उनके द्वारा विभिन्न तरह के मसाले तैयार किए जाते हैं जिनकी जनता में काफी लोकप्रियता है रेट के हिसाब से यह निम्न तबके के लोगों को लिए बहुत ही किफायती है इसलिए यह सभी की डिमांड बना हुआ है उत्पादन प्रमुख श्रीमती माया निवारे ने बताया कि उनके द्वारा मसाले बनाने में साफ सफाई एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाता है और उनके सभी मसाले एमएसएमई द्वारा सर्टिफाइड है उनकी उम्मीद है कि जैसा जनता का रिस्पांस उनके मसाला उत्पादों को मिल रहा है इसे बड़े ब्रांड की तरह स्थापित कर सकें।

बिना अनुमति विज्ञापन प्रदर्शित करने वालों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई करें: निगमायुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

निगम आयुक्त ने शहर की साफ-सफाई, कचरा एकत्रीकरण, परिवहन आदि व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के दृष्टिगत पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और अवैध रूप से सार्वजनिक स्थलों पर विज्ञापन प्रसारण कर सम्पत्ति विरूपण करने वालों के विरूद्ध सख्ती के साथ चालानी कार्यवाही करने, पाईप लाईनों के लीकेज तत्काल सुधारने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने बुधवार को मोती मस्जिद, इब्राहिमपुरा, चटोरी गली, बुधवारा चार बत्ती चौराहा, इतवारा, आजाद मार्केट, जुमेराती, जनकपुरी, अलीगंज, चौकी इमामवाड़ा, भोपाल टॉकीज, डी.आई.जी बंगला, पुतलीघर, शाहजहांनाबाद, ईदगाह हिल्स आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने सुल्तानिया रोड चटोरी गली के सामने पाईप लाईन में लीकेज के कारण सड़क पर पानी बहता हुआ पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और पाईप लाईनों के लीकेज तत्काल सुधारने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने जुमेराती आजाद मार्केट क्षेत्र में हाई मास्ट लाईट के पोल पर विज्ञापन प्रसारण संबंधी सामग्री लगी पाए जाने पर सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति विज्ञापन प्रदर्शित करने वालों के विरूद्ध सख्ती से चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने डी.आई.जी बंगला स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण किया और डोर-टू-डोर कचरा एकत्र करने वाले वाहनों में पृथक-पृथक कचरा परिवहन व्यवस्था का जायजा लिया और कचरा वाहनों की भार तोलक मशीन व वाहनों के वजन हेतु संधारित पंजी का अवलोकन भी किया।

चौधरी ने स्वच्छता सहित पृथक-पृथक कचरा एकत्रीकरण एवं परिवहन व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए साथ ही यहां संचालित मटेरियल रिकवरी फेसिलिटी का भी निरीक्षण किया और एम.आर.एफ में एकत्र प्लास्टिक आदि के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने ईदगाह हिल्स स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का अवलोकन किया साथ ही आसपास के क्षेत्रों सहित अन्य स्थानों पर साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

लोकतंत्र में कोई शासक नहीं, सब जनता के सेवक : शिवराज सिंह

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लोकतंत्र में कोई शासक नहीं होता सब जनता के सेवक होते हैं। जनता की सेवा ही हमारा धर्म है। महाराजा खेत सिंह बहुत अच्छे शासक थे, निरंतर जन-कल्याण में लगे रहते थे। जनता की अच्छी सेवा हो जनता सुखी रहे और प्रदेश का विकास हो, इसके लिए सबको मिलकर निरंतर कार्य करना है।

मुख्यमंत्री चौहान निवाड़ी जिले में गढ़कुंडार महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चौहान ने खंगार समाज की पत्रिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री चौहान द्वारा कन्या पूजन से हुआ। महाराजा खेत सिंह की स्मृति में यह महोत्सव प्रतिवर्ष यहाँ मनाया जाता है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में नई सामाजिक क्रांति की शुरूआत हुई है। हम प्रदेश में सुशासन स्थापित कर रहे हैं। प्रदेश में जो अधिकारी, कर्मचारी जनता की बेहतर सेवा करेगा उसे पुरस्कृत और गड़बड़ी करने वालों को दंडित किया जाएगा। एक तरफ जहाँ डिंडोरी जिले में विकास मिश्रा जैसे कलेक्टर हैं जो दिन-रात कार्य करते हैं वही निवाड़ी जिले के कलेक्टर तरूण भटनागर एवं तहसीलदार संदीप शर्मा के विरूद्ध गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई है। अत: निवाड़ी कलेक्टर एवं तहसीलदार को तत्काल प्रभाव से हटाया जाता है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि निवाड़ी के समग्र विकास के लिए बहुत छोटा क्षेत्र होने के बावजूद भी उसे जिला बनाया गया। मुझे निवाड़ी प्राणों से प्यारा है। यह राजधानी से दूर का जिला है। कमिश्नर की ड्यूटी है कि यहाँ व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। जिले में जमीनों की गड़बड़ियाँ और प्रधानमंत्री आवास में अनियमितताएँ आदि की शिकायतें मिली हैं। मुख्यमंत्री ने कमिश्नर को निर्देश दिए कि सभी की जाँच करवाई जाएँ और बेईमानों को दंडित किया जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने महाराजा खेतसिंह के नाम पर सामुदायिक भवन का निर्माण कराये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गजानंद मंदिर परिसर का विकास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि महाराजा खेतसिंह जयंती पर खंगार समाज के अधिकारियों - कर्मचारियों को ऐच्छिक अवकाश दिया जायेगा। खंगार समाज को आगे बढ़ाने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा यह वीरों की भूमि है, जिसे मैं बार-बार प्रणाम करता हूँ। उन्होंने कहा कि गढ़कुंडार महोत्सव लगातार चलेगा। खंगार समाज ने आज पगड़ी पहनाकर मेरा सम्मान किया है, मैं भी समाज के मान और सम्मान का पूरा ध्यान रखूँगा। समाज ने जो मांगें की हैं, उन्हें प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के लोगों द्वारा मुझे पहनाये चाँदी के मुकुट से बेटियों की शादी में पैर के बिछुए बनवाकर दिए जायेंगे। जिले के प्रभारी और लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि गढ़कुंडार क्षेत्र में प्राथमिकता से मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजा खेत सिंह वीर पुरूष है, उनका गौरव पूरे देश में है। उनके वंशज देशभक्ति भाव से अपना काम करते रहे। भार्गव ने कहा कि खंगार समाज आगे बढ़े, सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष यह सम्मेलन और बेहतर और शानदार रहेगा।

विधायक अनिल जैन ने अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन 2006 से मनाया जा रहा है। जैन ने महोत्सव स्थल पर सामुदायिक भवन बनाए जाने सहित अन्य माँगों को विस्तार से रखा तथा उन्हें प्राथमिकता से पूरा कराये जाने का आग्रह किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पृथ्वीपुर विधायक डॉ. शिशुपाल सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरोज राय, खंगार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश खंगार, अखिलेश अयाची, कप्तान सिंह, पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह,सागर संभागायुक्त मुकेश शुक्ला, आईजी सागर अनुराग, कलेक्टर, एसपी सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, देश भर से आए समाज के सदस्य, अधिकारी और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में अब बस और रेल यात्रा के बाद हवाई यात्रा के द्वारा भी बुजुर्गों को तीर्थ दर्शन कराए जाएंगे

नए वर्ष में प्रारंभ होंगी हवाई तीर्थ दर्शन यात्राएं

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के अनुरूप मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में अब बस और रेल यात्रा के बाद हवाई यात्रा के द्वारा भी बुजुर्गों को दूरस्थ तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जाएंगी। नए वर्ष में पहवाई तीर्थ दर्शन यात्राएं प्रारंभ होंगी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अप्रैल, 2022 से काशी विश्वनाथ की तीर्थयात्रा के साथ पुन: प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य है मध्यप्रदेश। मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को देश के विभिन्न राज्यों ने अपने यहां लागू किया है। वर्ष 2012 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुजुर्ग नागरिकों के लिए तीर्थ यात्रियों के लिए प्रारंभ की थी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सभी धर्मों के तीर्थ स्थलों को शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने किया सबरी नगर बस्ती में स्वस्थ जांच शिविर का आयोजन

भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा सबरी नगर बस्ती में स्वस्थ जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर एवं स्वयंसेवकों द्वारा स्वस्थ से सम्बंधित विषयों के बारे में रहवासियों को जागरूक किया गया। बस्ती में जागरुकता फैलाकर 352 से अधिक ग्रामीणों का नि:शुल्क जांच व इलाज करवाया गया। 290 ग्रामीणों को नि:शुल्क दवाई का वितरण भी कराया गया एवं स्वयंसेवको द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई। स्वस्थ जांच शिविर में संस्थान के संचालक आदरणीय डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. इंदिरा बर्मन, संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी एवं इंडियन रेड क्रॉस चिकित्सालय से डॉ. रामकुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. महेंद्र सिंह शिविर मे उपस्थित रहे। शिविर का अंत स्वंयसेवक आयुषी सिन्हा, राहुल कनारे, साहिल श्रीवास्तव, अनिमेष जैन, अंशिका नायर, मानसी सक्सेना एवं अन्य स्वयंसेवकों द्वारा शपथ ग्रहण कर किया गया।

प्रदेश में अब सभी राशन दुकानों पर मिलेगा फोर्टिफाइड राइस

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने बताया कि कुपोषण की रोकथाम के लिए प्रदेश में सभी राशन दुकानों पर पोषणयुक्त फोर्टिफाइड चावल वितरित किया जाएगा। अभी तक फोर्टिफाइड चावल कुछ चिन्हित जिलों में ही वितरित किया जा रहा था। प्रदेश में राशन की दुकानों पर केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है।

खाद्य मंत्री ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा फोर्टिफाइड चावल के संबंध में मिलावटी होने का भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। वास्तविकता यह है कि फोर्टिफाइड चावल आयरनयुक्त है। इसके उपयोग से सिकलसेल एनीमिया, घेंघा जैसे घातक जानलेवा रोगों की रोकथाम की जा सकती है। प्रमुख सचिव खाद्य श्री उमाकांत उमराव ने कहा कि फोर्टिफाइड चावल पूरी तरह से सुरक्षित है। इसमें पोषक तत्वों के अलावा कुछ भी अलग से नहीं है। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार गरीबी रेखा के नीचे आने वाले सभी पात्र परिवारों को उचित मूल्य दुकानों में फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है। यह चावल पोषक तत्वों से युक्त एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप है। प्रमुख सचिव ने बताया कि चावल बनाने सामान्य चावल को पीस कर उसमें आयरन मिला कर फोर्टिफाइड चावल बनाया जाता है। एक क्विंटल चावल में एक किलो फोर्टिफाइड चावल मिलाया जाता है। इसलिए इसमें किसी अन्य प्रकार का चावल मिलाने जैसी कोई गुंजाईश ही नहीं रहती। उन्होंने बताया कि फोर्टिफाइड चावल से नुकसान नहीं बल्कि अनेक फायदे हैं। आयरन खून की कमी को रोकता है, जिससे एनीमिया से बचा जा सकता है। विटामिन बी-12 तंत्रिका तंत्र के सामान्य कामकाज में सहायक होता है। फोलिक एसिड गर्भावस्था के दौरान भ्रूण विकास एवं रक्त निर्माण में सहयोग करता है। फोर्टीफाइड चावल सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार राशन की दुकान पर वितरित किया जा रहा है।

भोपाल। डॉ.अल्पना वर्मा की पहली बाल पुस्तक पंखो वाली राजकुमारी का विमोचन हिन्दी भवन के महादेवी वर्मा कक्ष में किया गया। वही वृक्ष मित्र सुनील दुबे ने मंच पर सभी को पौधे भेट किए ।

करोड़ो रूपये की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया

एन्टी माफिया अभियान में खरगोन में 60 करोड़ रूपये की 11 एकड़ भूमि से हटा कब्जा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार प्रदेश में एंटी माफिया अभियान की सख्त कार्रवाई जारी है। खरगोन में 11 एकड़ से अधिक शासकीय भूमि को अभियान चलाकर अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। मुक्त कराई गई भूमि की कीमत लगभग 60 करोड़ रूपये से अधिक है।

प्राप्त जानकारी अनुसार खरगोन के मांगरूल रोड पर पटवारी हलका न.-5 के खसरा न.-102 और 104 पर अंकित प्रबंधक-कलेक्टर के नाम से दर्ज 11 एकड़ 76 डेसीमल भूमि पर योगेश ठक्कर ने माँ बाघेश्वरी कृषि फार्म बना कर अनाधिकृत रूप से कब्जा कर लिया था। कलेक्टर खरगोन श्री कुमार पुरूषोत्तम, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने संयुक्त अभियान चला कर अतिक्रमणकर्ता का बेजा कब्जा हटाया है। अतिक्रमित भूमि पर बनाये गये कृषि फार्म और टीन शेड को तोड़ दिया गया है। भूमि को नगर पालिका अधिकारी को अपने आधिपत्य में लेने के निर्देश दिये गये हैं। बताया गया है कि अतिक्रमणकर्ता पर जिले के मेनगाँव थाने में 2017 से कई धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। प्रकरण की समीक्षा की जाकर कार्यवाही की जायेगी।

संबंधित क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील

भोपाल । राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 19 नगरीय निकायों के निर्वाचन का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। मतदान 20 जनवरी को सुबह 7 से अपरान्ह 5 बजे तक ईव्हीएम से होगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह जानकारी दी है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन-पत्र लेने का कार्य 30 दिसंबर 2022 से शुरू होगा। नाम निर्देशन-पत्र 6 जनवरी 2023 तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन-पत्रों की जाँच 7 जनवरी को की जाएगी। अभ्यार्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 9 जनवरी, 2023 है। इसी दिन निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जायेगा। मतदान 20 जनवरी को होगा। मतगणना तथा निर्वाचन परिणामों को घोषणा 23 जनवरी को सुबह 9 बजे से की जाएगी। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने बताया है कि गुना जिले की नगर पालिका परिषद राघौगढ़-विजयपुर, बड़वानी जिले की बड़वानी, सेंधवा और धार जिले की धार, मनावर एवं पीथमपुर में निर्वाचन होगा। इसी तरह अनूपपुर जिले की नगर परिषद जैतहरी, खण्डवा जिले की ओंकारेश्वर, बड़वानी जिले की खेतिया, पानसेमल, पलसूद, राजपुर, अंजड़ और धार जिले नगर परिषद धरमपुरी, धामनोद, कुक्षी, राजगढ़, सरदारपुर और डही में भी निर्वाचन होगा।

स्काई डाईविंग फेस्टिवल का दूसरा संस्करण 5 जनवरी से

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्काई डाइविंग फेस्टिवल के दूसरे संस्करण की शुरुआत 5 जनवरी 2023 से उज्जैन के दताना एयरस्ट्रिप पर होने जा रही है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए स्काई डाइविंग फेस्टिवल का समापन 15 जनवरी को होगा। प्रवासी भारतीय सम्मेलन, ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट एवं जी-20 सम्मेलन के लिए प्रदेश में मौजूद रहने वाले अतिथि भी इस एडवेंचर गतिविधि का आनंद ले सकेंगे। इसका संचालन ष्ठलष्ट एवं स्क्क प्रमाणित संस्था स्काई-हाई इंडिया द्वारा किया जा रहा है। स्काई डाइविंग करने का समय सुबह 8 से शाम 5 बजे तक है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक, मप्र टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा, %स्काई डाइविंग फेस्टिवल का पहला संस्करण सफल रहा था। सभी बुकिंग स्लॉट बुक हो चुके थे। इसी को देखते हुए अब दूसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान उज्जैन में उच्च मानकों के साथ प्रशिक्षित कर्मियों की मदद से रोमांच प्रेमी स्काई डाइविंग का आनंद ले सकेंगे। वे 10 हजार फीट की ऊंचाई से महाकाल की नगरी को देखने का रोमांच प्राप्त करेंगे'।

विश्वविद्यालय-महाविद्यालयों के सभी परीक्षा केन्द्रों के प्रत्येक कक्ष में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे लगाए जायेंगे

भोपाल। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने परीक्षा संचालन में पारदर्शिता के लिए परीक्षा केन्द्रों के प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगा ने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर वीक्षण/पर्यवेक्षण कार्य में संलग्न शिक्षकों की ड्यूटी निरंतर परिवर्तित की जाए। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संभाग, जिला एवं तहसील मुख्यालयों पर स्थित महाविद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों की वीक्षकीय कार्य के लिए ड्यूटी एक महाविद्यालय से दूसरे महाविद्यालय में लगाई जाए। एक वर्ष यदि किसी शिक्षक की ड्यूटी किसी महाविद्यालय में लगाई जाती है तो आगामी वर्ष उसी महाविद्यालय में उनकी ड्यूटी पुनः न लगाई जाकर अन्य महाविद्यालय में लगाई जाना सुनिश्चित हो।

दुर्लभ स्थिति में ब्रैकीथेरेपी के लिए एम्स में किया अंतरालीय प्रत्यारोपण

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

एम्स में डॉ. राजेश पसरीचा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष रेडियोथेरेपी द्वारा डॉ. दीपल कृष्ण, सह प्राध्यापक, प्लास्टिक सर्जरी विभाग के सहयोग से एक अंतरालीय (इंटरस्टीशियल) प्रत्यारोपण प्रक्रिया संपन्न की गई। इस प्रक्रिया में ब्रैकीथेरेपी के माध्यम से दो से तीन दिनों में विकिरण उपचार संपन्न किया जा सकता है। सामान्यत: बाह्य बीम विकिरण चिकित्सा (रेडियोथेरेपी) के माध्यम से उपचार में तीन से चार सप्ताह का समय लगता है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के किसी भी सरकारी केंद्र में ब्रैकीथेरेपी की सुविधा उपलब्ध नहीं है और राज्य में किसी अन्य जगह पर अंतरालीय प्रत्यारोपण नहीं किया जा रहा है। स्तन और जीभ के प्रारंभिक कैंसर जैसे कई प्रकार के कैंसर के उपचार के लिए यह एक लागत प्रभावी और त्वरित प्रक्रिया है। उल्लेखनीय है कि एम्स में इस प्रक्रिया का ईयरलोब के कीलोइड के उपचार के लिए उपयोग किया गया था । रेडियोथेरेपी टीम में डॉ श्रीना, सीनियर रेजिडेंट और सोहन, नर्सिंग अधिकारी तथा प्लास्टिक सर्जरी टीम में डॉ माधुरी अरोड़ा, सीनियर रेजिडेंट शामिल थीं। संपूर्ण प्रक्रिया के सफल निष्पादन में डॉ. पूजा, सह प्राध्यापक, एनेस्थीसिया विभाग की टीम द्वारा पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

एम्स में एनाटॉमी संग्रहालय एवं देहदान दीर्घा का उद्घाटन

शरीर रचना विज्ञान विभाग में एनाटॉमी संग्रहालय एवं देहदान दीर्घा का उद्घाटन माननीय कार्यपालक निदेशक एम्स भोपाल प्रो. डॉ अजय सिंह के कर-कमलों द्वारा आज दिनांक 28.12.2022 को किया गया । प्रो. डॉ. राजेश मलिक, डीन अकादमिक एवं प्रो. डॉ भावना शर्मा, डीन एग्जामिनेशन एवं अनेक संकाय सदस्य व मेडिकल छात्र छात्राएं इस मौके पर उपस्थित थे ।

मेडिकल कॉलेज में एनाटॉमी संग्रहालय, एक मुख्य आकर्षण केन्द्र एवं दर्शनीय स्थल होता है । चिकित्सा कर्मियों और आम लोगों को यह समान रूप से आकर्षित करता है । यह मेडिकल और पैरामेडिकल छात्रों के लिए ज्ञान का भंडार है । एनाटॉमी संग्रहालय अक्सर स्कूली छात्रों द्वारा भी देखे जाते हैं और उन्हें अपने करियर विकल्प के रूप में चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान को चुनने के लिए प्रेरित करते हैं ।

संग्रहालय में सावधानीपूर्वक तैयार स्पेसिमेन प्रदर्शित है, जो कि देहदान से प्राप्त हुई देहों से तैयार किये गए है । यह सुविधा स्नातक और स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं को एक समग्र सीखने का माहौल प्रदान करेगी । संग्रहालय में 75 स्पेसिमेन, 125 एम्ब्योलोग्य मॉडल्स, 75 कृत्रिम बोन्स है, जो कि पूर्णतया एनाटॉमी विभाग द्वारा तैयार किये गए है।

देहदान एक सर्वोच्च एवं दैविक दान है, जिसके लिए हम ऋणी एवं आभारी है । अत: देहदाताओं और उनके परिवार को सम्मानित करने के लिए शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग में देहदान दीर्घा स्थापित की गयी है । यह दीर्घा समाज में एक सकारात्मक संदेश उत्पन्न करेगी, जो समुदाय और देहदाताओं के परिवार के सदस्यों को भी प्रेरित करेगी । यह दीर्घा छात्रों में दाताओं के प्रति कृतज्ञता की भावना भी उत्पन करेगी, जो कि चिकित्सा शिक्षा में अफेक्टिव डोमेन का एक महत्वपूर्ण पहलू है ।

चिल्ड्रन्स योगा कैंप - वॉक विद ब्रिल्यन्स का आयोजन

अखिल भारतीय अयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में 28 दिसम्बर 2022 को प्रात: 9.30 से 12.30 बजे तक योगदा सत्संग सोसाईटी ऑफ इंडिया के सहयोग से एम्स स्टॉफ एवं फैकल्टी मेम्बर्स के बच्चों हेतु चिल्ड्रन्स योगा कैंप का आयोजन आयुष विभाग में किया गया । चिल्ड्रन्स कैंप में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया गया । कार्यक्रम की शुरूआत में एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो डॉ अजय सिंह ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया । कार्यक्रम में डीन अकादमिक प्रो डॉ राजेश मालिक एवं एम्स भोपाल के फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित रहे । बच्चों को सुश्री साक्षी परसाई द्वारा एक्सरसाईज करवाई गई । योगदा सदस्य श्रीमती निधि ठक्कर द्वारा बच्चो को आधे घंटे का ध्यान करवाया गया । चिल्ड्रन कैंप में बच्चो द्वारा चित्रकारी की गई । चित्रकारी में योगदा सदस्य सुश्री ईशा वर्मा, सुश्री साक्षी परसाई एवं ओम वर्मा सहयोग दिया गया । अच्छी चित्रकारी हेतु डॉ. राज कुमार पाटिल एवं डॉ. सरोज रागनेकर के निर्णायक मण्डल द्वारा लिये गये निर्णय पर तीन बच्चों को पुरस्कार प्रदान किये गये ।

कार्यक्रम की सफलता में एम्स संस्थान की ओर से डॉ वरूण मलहोत्रा, डॉ संतोष वाकोडे, डॉ. दानिश जावेद, डॉ. सोफिया, डॉ आशीष दीक्षित, डॉ श्वेता तथा योगदा संस्था की ओर से डॉ. सरोज रागनेकर, बालकृष्ण वर्मा, डॉ मोनिका मलहोत्रा, कैलाश रघुवंशी, श्रीमती वंदना पाठक, श्रीमती अनुपमा वर्मा, सुश्री ईशा वर्मा, सुश्री साक्षी परसाई एवं ओम वर्मा द्वारा वालेंटियर्स के रूप में सहयोग दिया गया ।

सम्पादकीय

अपना विकास माडल

भारत चीन और अमेरिका की नकल न करे, उसे खुद के बनाए रास्ते पर ही चलना चाहिए। इसके लिए भारत को अपना मॉडल अपनाने की जरूरत है। भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। यह कहना है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का। वे भारत विकास परिषद के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने भारत का विकास कैसे संभव हो, इसके बारे में बताया।

संघ प्रमुख ने कहा कि भारत का विजन, लोगों की परिस्थिति, संस्कार, संस्कृति, विश्व के बारे में विचार के आधार पर होना चाहिए। अगर विश्व से कुछ अच्छा आएगा तो उसे लेंगे। मगर हम प्रकृति और अपने शर्तों के अनुसार लेंगे। भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों, व्याकरण, कला और सभ्यताओं से बना है, लेकिन जब हम करीब से देखते हैं, तो इस देश की आत्मा एक है, और वह भारत की अभिन्न आत्मा है।

अनेकता में एकता की बात तो सभी करते हैं, लेकिन भागवत जी ने जो बात कही, उसके आगे एक संदेश भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आज एक मैसेज देना चाहता हूं कि विश्वास और प्रेम में समानता है क्योंकि दोनों को जबरन हासिल नहीं किया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने राष्ट्र पहले के सिद्धांत को दोहराते हुए कहा कि भारत विविधता में एकता की भूमि है। हमारे संविधान ने हमें सामाजिक सुरक्षा दी है और इसलिए हमें वह चुकाना होगा जो राष्ट्र ने हमें दिया है। हमें सोचना चाहिए कि हम राष्ट्र को क्या और कैसे चुका सकते हैं। भारत दुनिया को जीतने के लिए नहीं, बल्कि लोगों को एकजुट करने के लिए है।

अब संदेश के भीतर भी काफी कुछ छिपा हुआ है। लोगों को एकजुट करने और सभी को एक रहने का संदेश तो वे दे ही रहे हैं, इसके अंदर कहीं न कहीं देश में चल रही गतिविधियों का संकेत भी छिपा है। एक तरफ सभी शांति की बात करते हैं, लेकिन देश के अंदर धर्म और संप्रदाय के नाम पर खाई और गहरी होती जा रही है। यह खाई गहरी क्यों हो रही है, विचार इस पर करने की आवश्यकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम किसी की नकल न करें, तो आवश्यकता इस बात की भी है कि एक-दूसरे पर जो विश्वास कम होता जा रहा है, वो वापस से गहरा होना चाहिए। और इसके लिए किसी एक की तरफ से पहल करने के बजाय दोनों तरफ से पहल होना चाहिए। देश में जिस तरह से माहौल बिगड़ रहा है या बिगाड़ा जा रहा है, उसे गंभीरता से लेना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यदि भारत की छवि खराब होने की बात आ रही है, तो हमें उसे नकारने के बजाय उस पर गंभीरता से विचार करना होगा। केवल वोटों की खातिर यदि हम लोगों को जाति, संप्रदाय और धर्म के आधार पर बांटते रहेंगे, तो हम सत्ताओं पर तो काबिज हो जाएंगे, लेकिन देश की एकता खतरे में पड़ जाएगी। जो आज पड़ चुकी है। केवल बयान देने भर से कुछ नहीं होगा। अपने अंदर झांकने की आवश्यकता है। केवल दूसरे से उम्मीद करने के बजाय अपने व्यवहार, अपने बयान और अपने आचरण को भी देखें। विकास आंकड़ों से नहीं होता, विकास होता है विश्वास से। विकास की इमारत बनती है, एकता और अखंडता की नींव पर।

संघ प्रमुख ने जहां मुम्बई में यह संदेश दिया तो उज्जैन में पानी बचाने का संदेश दिया। इस संदेश के साथ ही उन्होंने मांसाहार से पानी का खर्च अधिक होने की बात कहते हुए इससे बचने की सलाह भी दी। आरएसएस प्रमुख ने पानी के महत्व को समझाने के लिए पूर्व संघ प्रमुख सुदर्शन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा- सुदर्शन जी हमें बताते थे। आज भी चलता है, उनका बताया हुआ कि गिलास आधा भरो, इससे ज्यादा मत भरो। भोजन के समय गिलास भरते थे। वह कभी आते थे, तो देखते थे कि गिलास पूरे भरे हैं। वह सारा पानी घड़े में डाल देते, फिर आधा आधा गिलास भरवा देते। क्योंकि आधा-आधा पानी बचेगा, तो देश में 130 करोड़ लोगों का आधा गिलास रोज का एक समय का कितना पानी होता है। पानी की बहुत बचत होती है। देखना होगा भागवत जी की इन दोनों ही बातों पर संघ और उससे जुड़े संगठन ही कितना अमल करते हैं? बाकी की बात तो बाद में। फिर भी, एक-दूसरे पर विश्वास कायम करना और पानी बचाना, दोनों ही देश और दुनिया के लिए जरूरी हैं।

राहुल गांधी की तुलना राम से?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद के बयान पर आजकल काफी लत्तम-धत्तम चल रही है। उन्होंने कह दिया कि जहाँ राम नहीं पहुँच सकते, वहाँ उनकी खड़ाऊ पहुंच जाएगी याने राहुल गांधी जहाँ-जहाँ नहीं पहुंच पाएंगे, वहाँ-वहाँ उनकी खड़ाऊ पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। यह तो सबको पता है कि उन्होंने राहुल को राम नहीं कहा है। मैंने उनके वाक्यों को पढ़कर नहीं, सुनकर यह लिखा है लेकिन कुछ भाजपा नेताओं ने खुर्शीद को यह कहकर निंदा की है कि उन्होंने राहुल को राम बना दिया है। उन्होंने राहुल को राम नहीं बताया है बल्कि सिर्फ खड़ाऊ पर जोर दिया है। राहुल के जो फोटो अखबारों में छप रहे हैं और टीवी पर दिखाई पड़ रहे हैं, उनमें वे जूते पहने दिखाई पड़ रहे हैं तो फिर खुर्शीद के बयान का अर्थ क्या निकला? यही कि उन्होंने उपमा का इस्तेमाल किया है। क्या सलमान खुर्शीद जैसे पढ़े-लिखे नेता इतनी बड़ी गलती कर सकते हैं कि राहुल को राम बता दें? उन्होंने जूतों को भी खड़ाऊ नहीं बताया है। सिर्फ उपमा दी है। कांग्रेस के शीर्ष नेता, राहुल के प्रति कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्त्ताओं के दिल में आजकल बहुत सम्मान पैदा हो, यह स्वाभाविक है।

उन्हें लग रहा है कि राहुल की इस लंबी यात्रा से अधमरी कांग्रेस में जान पड़ जाएगी, हालांकि ऐसा कुछ होता हुआ दिखाई नहीं पड़ रहा है। गुजरात और दिल्ली में कांग्रेस का सूंपड़ा साफ क्यों हुआ, इस यात्रा के दौरान? यदि अभी यह हाल है तो यात्रा के खत्म होने पर क्या होगा? लगभग सभी प्रांतों में कांग्रेस के स्थानीय नेताओं में दंगल आजकल तेजी पर हैं। उन-उन प्रदेशों में इन दंगलों को राहुल की यात्रा से ज्यादा प्रचार मिल रहा है। राहुल के कुछ विवादास्पद बयानों ने भी कांग्रेस और उनकी छवि को धक्का पहुंचाया है, हालांकि इस यात्रा के दौरान राहुल की भाषण-कला में काफी सुधार हुआ है। इसमें तो ज़रा भी शक नहीं है कि इस यात्रा के दौरान इस नौसिखिए नेता की बाप-कमाई में काफी हिस्सा आप-कमाई का भी जुड़ गया है लेकिन उससे कांग्रेस को कितना फायदा मिलेगा, यह कहना मुश्किल है। राहुल गांधी ने जैसी सड़क-यात्रा की है, वैसे ही वे दो-चार साल विचार-यात्रा करें तो वे निश्चय ही अच्छे नेता बनकर उभर सकते हैं। भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि हमारे ज्यादातर नेताओं के पास बी.ए.—एम.ए. की डिगरियां तो होती हैं लेकिन बौद्धिक दृष्टि से वे नर्सरी के छात्रों से थोड़े ही बेहतर होते हैं। राहुल गांधी कांग्रेस की डूबती नाव के खिवैया हैं। उनका चरित्र या आचरण निष्कलंक है। सिर्फ भाजपा और नरेंद्र मोदी को कोसने से उनकी यात्रा सफल नहीं होगी। यात्रा तो सफल तभी होगी जबकि देशोद्धार का कोई वैकल्पिक दर्शन प्रस्तुत किया जाए।

सत्य नेपथ्य के

जगत के नाथ, जगन्नाथ की पुरी से

चंद्रकांत अग्रवाल

विगत 7 दिनों से मैं उड़ीसा राज्य में सम्पूर्ण जगत के नाथ माने जाने वाले भगवान जगन्नाथ की पावन पुरी, समुद्र तट पर स्थित जगन्नाथपुरी में हूं। यहां के होटल नीलाद्री कांप्लेक्स में इटारसी से आए करीब 200 धर्म प्रेमियों संग भागवताचार्य पंडित नरेन्द्र तिवारी के श्री मुख से संवाहित श्री मद भागवत कथा सत्संग के अनुक्रम में। तो सोचा कि इससे अच्छा प्रसंग और क्या होगा,सत्य नेपथ्य के,के आगाज़ का क्योकि श्री जगन्नाथ को सत्य स्वरूप परमात्मा ही माना जाता है।

एक ऐसा अलौकिक सत्य जिसे विज्ञान भी स्वीकार कर चुका है कि श्री जगन्नाथ जी की प्रतिमा में आज भी दिल की धड़कन महसूस की जा सकती है। वैसे भी कोई भी सत्य तब तक अधूरा ही रहता है,जब तक कि उसका नेपथ्य भी वही सत्य बयान न करे। अतः जगन्नाथ जी की प्रतिमा विश्व की कदाचित ऐसी पहली प्रतिमा है,जो सिर्फ श्रद्धा,विश्वास का परमात्मा का ही स्वरूप नहीं वरन विज्ञान को भी एक नहीं कई चुनौती देने वाला स्वरूप है। भगवान जगन्नाथ के मंदिर का झंडा हर शाम को बदला जाता है। माना जाता है कि अगर इस झंडे को नहीं बदला गया तो मंदिर अगले 18 साल के लिए बंद हो जाएगा।

भगवान जगन्नाथ के मंदिर में हर 12 साल बाद भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की मूर्ति को बदला जाता है। इन मूर्तियों को बदलते समय अंधेरा कर दिया जाता है। एक पुजारी के अलावा किसी को भी मंदिर में घुसने की इजाजत नहीं होती है। मूर्ति बदलते समय पुजारी की आंखों पर पट्टी बंधी होती है। भगवान जगन्नाथ मंदिर में पुरानी मूर्ति व नई मूर्ति में एक तत्व समान रहता है जिसका नाम ब्रह्म पदार्थ है। इसको पुरानी मूर्ति से निकालकर नई मूर्ति में डाल दिया जाता है। माना जाता है कि जो इस ब्रह्म पदार्थ को देखता है उसकी मौत हो जाती है। कई पुजारियों का कहना है कि ब्रह्म पदार्थ पुरानी मूर्ति से नई मूर्ति में डालते समय उछलता हुआ महसूस होता है। छूने में यह खरगोश जैसा लगता है।भगवान जगन्नाथ के मंदिर के गुंबद पर कभी किसी पक्षी को बैठे हुए नहीं देखा गया है। इस मंदिर के ऊपर से हवाई जहाज के भी उड़ने की मनाही है। ओड़िशा के पुरी के जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां लकड़ी की हैं।

मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने जब देह त्याग किया था तो उनका अंतिम संस्कार हुआ। भगवान श्रीकृष्ण का बाकी शरीर तो पंचतत्व में विलीन हो गया लेकिन उनका हृदय सामान्य और जिंदा रहा। कहा जाता है कि यह दिल आज भी सुरक्षित है और वो भगवान जगन्नाथ की मूर्ति में आज भी धड़कता है। उड़ीसा प्रदेश की पुरी का श्री जगन्नाथ मन्दिर पूरी तरह विश्व का एक ऐसा हिन्दू मन्दिर है, जो भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) को समर्पित है। जिसके द्वार पर स्पष्ट लिखा है कि सिर्फ हिंदू ही मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं। जगन्नाथ शब्द का अर्थ जगत अर्थात संसार का स्वामी होता है। इनकी नगरी ही जगन्नाथपुरी या पुरी कहलाती है। इस मन्दिर को हिन्दुओं के चार धाम में से एक माना जाता है। यह वैष्णव सम्प्रदाय का मन्दिर है, जो भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण को समर्पित है। इस मन्दिर का वार्षिक रथ यात्रा उत्सव विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसमें मन्दिर के तीनों मुख्य देवता, भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भ्राता बलभद्र और भगिनी सुभद्रा तीनों, तीन अलग-अलग भव्य और सुसज्जित रथों में विराजमान होकर नगर की यात्रा को निकलते हैं।

रथ यात्रा की चर्चा के साथ यदि मेरी जगन्नाथ यात्रा की इस पहली कड़ी में जगन्नाथ जी के परम भक्त माधवदास जी के प्रारब्ध लेकर बीमार पड़ गये श्री जगन्नाथ भगवान की सत्य कथा की चर्चा नहीं करूंगा तो रथ यात्रा के ऐतिहासिक व आध्यात्मिक रहस्य पर से पर्दा भी नहीं उठ पाएगा।जगन्नाथ पूरी में ही भगवान के एक परम भक्त रहते थे, श्री माधव दास जी। वे अकेले ही रहते थे, उनको संसार से कोई लेना देना भी नही था। अकेले बैठे बैठे भजन किया करते थे, नित्य प्रति श्री जगन्नाथ प्रभु का दर्शन करते थे, और उन्हीं को अपना सखा मानते थे, मानसिक रूप से प्रभु सानिध्य में ही अपनी सम्पूर्ण दैनिक दिनचर्या करते थे। प्रभु भी इनके साथ अनेक लीलाएँ किया करते थे। ठीक उसी तरह जिस तरह कि ब्रज में श्री कृष्ण गोप गोपियों के संग करते थे। एक बार माधव दास जी को अतिसार (उलटी-दस्त) का रोग हो गया। वह इतने दुर्बल हो गए कि उठ-बैठ नहीं सकते थे, पर जब तक इनसे बना ये अपना कार्य स्वयं करते थे और सेवा किसी से लेते भी नही थे। कोई कहे महाराज जी हम कर दें आपकी सेवा तो कहते नही मेरे तो एक जगन्नाथ ही हैं, वही मेरी रक्षा करेंगे। ऐसी दशा में जब उनका रोग बढ़ गया। और वो उठने-बैठने में भी असमर्थ हो गये, तब श्री जगन्नाथजी स्वयं सेवक बनकर इनके घर पहुँचे और माधवदासजी से कहा की हम आपकी सेवा कर दें।

क्योंकि उनका रोग इतना बढ़ गया था कि उन्हें पता भी नही चलता था कि कब वे मल, मूत्र त्याग देते थे। वस्त्र गंदे हो जाते थे। उन वस्त्रों को जगन्नाथ भगवान अपने हाथों से साफ करते थे, उनके पूरे शरीर को साफ करते थे, उनको स्वच्छ करते थे। कोई अपना भी इतनी सेवा नही कर सकता, जितनी जगन्नाथ भगवान भक्त माधव दास जी की सेवा करते थे। जब माधवदासजी को होश आया, तब उन्होंने तुरन्त पहचान लिया कि यह तो मेरे प्रभु ही हैं। एक दिन माधवदासजी ने पूछ लिया प्रभु से ङ्क ÷प्रभु ! आप तो त्रिभुवन के मालिक हो, स्वामी हो, आप मेरी सेवा कर रहे हो। आप चाहते तो मेरा ये रोग भी तो दूर कर सकते थे, रोग दूर कर देते तो ये सब करना नही पड़ता।÷ ठाकुरजी कहते हैं ङ्क ÷देखो माधव ! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता, इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की। जो प्रारब्ध होता है उसे तो भोगना ही पड़ता है। अगर उसको इस जन्म में नहीं काटोगे तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा और मैं नहीं चाहता की मेरे भक्त को जरा से प्रारब्ध के कारण अगला जन्म फिर लेना पड़े। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की लेकिन अगर फिर भी तुम कह रहे हो तो भक्त की बात भी नहीं टाल सकता। (भक्तों के सहायक बन उनको प्रारब्ध के दुखों से, कष्टों से सहज ही पार कर देते हैं प्रभु) अब तुम्हारे प्रारब्ध में ये 15 दिन का रोग और बचा है, इसलिए 15 दिन का रोग तू मुझे दे दे।÷ 15 दिन का वो रोग जगन्नाथ प्रभु ने माधवदासजी से ले लिया।वो तो हो गयी तब की बात पर भक्त वत्सलता देखो आज भी वर्ष में एक बार जगन्नाथ भगवान को स्नान कराया जाता है (जिसे स्नान यात्रा कहते हैं)। स्नान यात्रा करने के बाद हर साल 15 दिन के लिए जगन्नाथ भगवान आज भी बीमार पड़ते हैं। 15 दिन के लिए मन्दिर बन्द कर दिया जाता है। कभी भी जगन्नाथ भगवान की रसोई बन्द नही होती पर इन 15 दिन के लिए उनकी रसोई बन्द कर दी जाती है। भगवान को 56 भोग नही खिलाया जाता, (बीमार हो तो परहेज तो रखना पड़ेगा) 15 दिन जगन्नाथ भगवान को कई तरह के औषधीय काढ़ों का भोग लगता है। इस दौरान भगवान को आयुर्वेदिक काढ़े का भी भोग लगाया जाता है। जगन्नाथ धाम मन्दिर में तो भगवान की बीमारी की जांच करने के लिए हर दिन वैद्य भी आते हैं। काढ़े के अलावा फलों का रस भी दिया जाता है। वहीं रोज शीतल लेप भी लगया जाता है।

बीमार रहने के दौरान उन्हें फलों का रस, छेना का भोग लगाया जाता है और रात में सोने से पहले मीठा दूध अर्पित किया जाता है। भगवान जगन्नाथ बीमार हो गए है और 15 दिनों तक आराम करेंगे। आराम के लिए 15 दिन तक मंदिरों के पट भी बन्द कर दिए जाते है और उनकी सेवा की जाती है। ताकि वे जल्दी ठीक हो जाएँ। जिस दिन वे पूरी तरह से ठीक होते हैं उस दिन जगन्नाथ यात्रा निकलती है, जिसके दर्शन हेतु विश्व भर से असंख्य भक्त पुरी में उमड़ते हैं। खुद पर तकलीफ लेकर अपने भक्तों का जीवन सुखमयी बनाये, ऐसी भक्तवत्सलता है प्रभु जगन्नाथ जी की। इस साल 14 जून को स्नान यात्रा हुई थी और 15 दिन बाद 1 जुलाई को रथयात्रा हुई थी। माधवदास का ही श्री कृष्ण से सख्य भाव/दृष्टांत/राजा के बगीचे से कटहल की चोरी करने के लीला चरित्र की चर्चा करना भी यहां प्रासांगिक होगा। जो व्यास पीठ से भागवताचार्य पंडित नरेन्द्र तिवारी ने भी सबको सुनाया। श्री माधव दास जी का भगवान श्री कृष्ण से सख्य भाव था, अतः भगवान उनसे विविध प्रकार के विनोद पूर्ण कौतुक किया करते थे 7 एक दिन जब माधवदास जी भगवान का दर्शन करने लगे तो देखा कि भगवान कुछ उदास हैं, उन्होंने पूछा प्रभु आज आप कुछ उदास से प्रतीत हो रहे हैं क्या बात है ? श्री ठाकुर जगन्नाथ जी ने कहा, माधव दास जी क्या बताएं साल बीता जा रहा है और पका कटहल खाने को नहीं मिला। राजा के बाग में कटहल के खूब फल हैं और पके हुए भी हैं । अगर आप सहयोग दें तो आज रात में बाग में चलकर कटहल खाया जाए 7 माधवदास ने कहा कि पर वो बचपन में तो मुझे पेड़ पर चढ़ने का अभ्यास था , अब तो मैं बूढ़ा हो गया हूं मेरे हाथ पाव कांपते हैं 7 अतः पेड़ पर चढ़ने में तो मुश्किल होगी ? श्री बलराम जी भी भगवान के साथ इस विनोद में रस ले रहे थे। उन्होंने कहा कि माधव दास जी हम चढ़ने में सहायता कर देंगे, आपको कोई कठिनाई नहीं होगी । बात तय हो गई। श्री कृष्ण बलराम और माधव दास जी आधी रात में चुपचाप राजा जी के बाग में घुस गए । श्री बलराम जी ने सहारा देकर माधव दास जी को पेड़ पर चढ़ा दिया माधव दास जी ने बड़े और खूब पके फल देखकर कई कटहल नीचे गिराए ,दोनों भाइयों ने खूब जी भर कर कटहल खाए 7 उधर फलों की गिरने की आवाज सुनकर बाग के माली जग गए और आवाज की दिशा में लाठी लेकर दौड़े, उन्हें आता देखकर श्री जगन्नाथ जी व बलराम तो वहां की चारदीवारी लांघ कर भाग गए 7 पर बेचारे माधव दास जी रंगे हाथों पकड़ लिए गए। मालियों ने रात्रि के अंधेरे में पहचाना नहीं तो खूब डन्डे की मार लगाई और रात भर बांधकर भी रखा 7 प्रातः काल सैनिकों ने बंदी अवस्था में ही राजा के सम्मुख प्रातः काल उनके बगीचे में भ्रमण के समय आमना सामना हो गया। राजा अपने गुरु को ऐसी हालत में देखते ही पृथ्वी पर गिर पड़े और सष्टांग दंडवत प्रणाम किया और मालियों द्वारा किये अपराध के लिए क्षमा मांगी और मालियों को दंड देना चाहा 7 इस पर माधव दास जी ने कहा कि राजन मालियों ने अपने कर्तव्य का अच्छी प्रकार से पालन किया है। उन्होंने कोई अपराध नहीं किया था 7 इन्हें पुरस्कार देना चाहिए । राजा ने माधवदास के कहे अनुसार मालियों को बारह बीघे जमीन का पट्टा पुरस्कार स्वरूप दे दिया 7 तत्पश्चात आधी रात में बाग में आने का कारण जानना चाहा 7 माधवदास जी ने उन्हें सारी बात बताई तो राजाभाव विभोर हो गए। उन्होंने कहा , प्रभु मेरे धन्य भाग्य हैं कि आप मेरे बाग में आए 7 अब यह बाग आपकी ही सेवा में प्रस्तुत हैं 7यह कहकर राजा ने ताम्रपत्र पर लिखकर बाग को श्री ठाकुर जी के श्री चरणों में समर्पित कर दिया 7 भगवान संग भक्त माधवदास जी के ऐसे कई चरित्र हैं 7 जगन्नाथपुरी में पहले भगवान नील माधव के नाम से पूजे जाते थे। जो भील संप्रदाय के सरदार विश्वासु के आराध्य देव थे। अब से लगभग हजारों वर्ष पुर्व भील सरदार विश्वासु नील पर्वत की गुफा के अन्दर नील माधव जी की पूजा किया करते थे । मध्य-काल से ही यह उत्सव काफी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसके साथ ही यह उत्सव भारत के कई अन्य वैष्णव, कृष्ण मन्दिरों में मनाया जाता है एवं यात्रा निकाली जाती है।यह मंदिर वैष्णव परम्पराओं और सन्त रामानन्द से जुड़ा हुआ है। यह गौड़ीय वैष्णव सम्प्रदाय के लिये खास महत्व रखता है। इस पन्थ के संस्थापक श्री चैतन्य महाप्रभु भगवान की ओर आकर्षित हुए थे और कई वर्षों तक पुरी में रहे भी थे। जगन्नाथ यात्रा संस्मरण की इस प्रथम कड़ी में जगन्नाथ पुरी मंदिर की कुछ आश्चर्यजनक बातें जानना भी वैज्ञानिक चिंतन के लिए और हां नास्तिकों के लिए भी जानना जरूरी है। मं?दिर का आर्किटेक्ट इतना दिव्य, भव्य व विश्व विख्यात है कि दूर-दूर के वास्तु विशेषज्ञ इस पर रिसर्च करने आते हैं।मंदिर की ऊंचाई 214 फुट है। पुरी में किसी भी स्थान से आप मंदिर के शीर्ष पर लगे सुदर्शन चक्र को देखेंगे तो वह आपको सदैव अपने ठीक सामने ही लगा दिखेगा। मंदिर के ऊपर स्थापित ध्वज सदैव हवा के विपरीत दिशा में लहराता है। सामान्य दिनों के समय हवा समुद्र से जमीन की तरफ आती है और शाम के दौरान इसके विपरीत, लेकिन पुरी में इसका उल्टा होता है। मुख्य गुंबद की छाया दिन के किसी भी समय अदृश्य ही रहती है। मंदिर के अंदर पकाने के लिए भोजन की मात्रा पूरे वर्ष के लिए रहती है। प्रसाद की एक भी मात्रा कभी भी व्यर्थ नहीं जाती, एक दिन में लाखों लोगों तक को खिला सकते हैं। मंदिर की रसोई में प्रसाद पकाने के लिए 7 बर्तन एक-दूसरे पर रखे जाते हैं और सब कुछ लकड़ी पर ही पकाया जाता है। इस प्रक्रिया में शीर्ष बर्तन में रखी भोज्य सामग्री सबसे पहले पकती है फिर क्रमश- नीचे की तरफ एक के बाद एक पकती जाती है। मंदिर के सिंहद्वार में पहला कदम प्रवेश करने पर ही (मंदिर के अंदर) मंदिर के समीपस्थ स्थित समुद्र द्वारा निर्मित किसी भी ध्वनि को आप नहीं सुन सकते। वहीं यदि आप मंदिर के बाहर एक कदम भी आगे बढ़ें तो आप इसे आसानी से सुन सकते हैं। इसे शाम को व रात्रि में स्पष्ट रूप से अनुभव किया जा सकता है। मंदिर का रसोई घर दुनिया का सबसे बड़ा रसोईघर है। मंदिर का क्षेत्रफल 4 लाख वर्गफुट में है। प्रतिदिन सायंकाल मंदिर के ऊपर स्थापित ध्वज को सेवकों द्वारा उल्टा चढ़कर बदला जाता है। पक्षी या विमानों को कभी भी मंदिर के ऊपर उड़ते हुए नहीं पाएंगे। विशाल रसोईघर में भगवान जगन्नाथ को चढ़ाए जाने वाले महाप्रसाद का निर्माण करने हेतु 500 रसोइए एवं उनके 300 अन्य सहायक-सहयोगी एक साथ काम करते हैं। सम्पूर्ण भोजन मिट्टी के बर्तनों में पकाया जाता है। हमारे पूर्वज कितने बड़े इंजीनियर रहे होंगे, यह इस मंदिर के विश्व के सबसे अनूठे व अदभुद दृष्टांतो से समझा जा सकता है। अगली कड़ी में फिर इस यात्रा संस्मरण के कुछ अन्य प्रसंगों के साथ मिलेंगे। जय श्री कृष्ण।

चंदा और धूत जैसा हर कर्जे में जुड़ा होता है सूत

जो बैंक आर्थिक विकास और जन-धन के रखवाले माने जाते हैं, वही बैंक आज सरकारों के लिए बड़े सिरदर्द बने हुए हैं। मिलीभगत से जन-धन की कर्जे के रूप में कॉर्पोरेट के साथ बंदरबांट आर्थिक विकास को कमजोर कर रही है। सामान्य व्यक्ति को दस-बीस हज़ार रुपयों के कर्जे के लिए बैंकों में कई दिनों की मशक्कत करनी पड़ती है और कॉर्पोरेट घरानों के साथ सांठगांठ कर अरबों रुपए के कर्जे बाद में डूबत खाते में चले जाते हैं..!

पहले ऐसा लगता था कि शायद कॉर्पोरेट घराने, धंधों में घाटे के कारण बैंकों के कर्ज नहीं चुका पाते लेकिन अब तो धीरे-धीरे इसकी परतें खुलने लगी हैं कि बैंक और कॉर्पोरेट घराने आपसी सहमति से बैंकिंग के पैसे पर ही धंधा करते हैं और दोनों की हिस्सेदारी भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रहती है। आईसीआईसीआई की पूर्व चेयरमैन चंदा कोचर को वीडियोकॉन को ऋण देने में की गई गड़बड़ियों के लिए गिरफ्तार किया गया है। उनके पति की भी गिरफ्तारी हुई है। इसके साथ ही वीडियोकॉन कंपनी के मालिक वेणुगोपाल धूत भी सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए हैं।

बैंकों के साथ फ्रॉड देश के भविष्य के साथ फ्रॉड होता है। विलफुल डिफॉल्टर आज कॉर्पोरेट जगत का फैशन सा बन गया है। क़र्ज़ लेकर उसे वापस नहीं करने की भारी कीमत देश को चुकानी पड़ती है। ऐसे लोग अर्थव्यवस्था के गुनाहगार हैं। इन गुनाहगारों को सजा मिलने से भविष्य में गड़बड़ियों की संभावनाएं सीमित हो सकती हैं।

राजनीति में कॉर्पोरेट घरानों की कर्जमाफी विलफुल डिफॉल्टर के मामलों को पक्ष-विपक्ष के बीच हथियार के रूप में उपयोग करने की प्रवृत्ति बनी हुई है। यह मर्ज बढ़ते बढ़ते यहां तक पहुंच गया है कि बैंकों का चलना मुश्किल हो गया है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच सालों में दस लाख करोड़ की राशि बट्टे खाते में डाली गई है। सवाल यह है कि यह लोन किस सरकार में मंजूर किया गया था? इनकी वसूली क्यों नहीं हो पा रही है? इस तरह की डूबत खाते वाले कर्जों के कारण सबसे अधिक नुकसान बैंकों को होता है।

बैंकों में ऐसी व्यवस्था है कि एनपीए में जितनी राशि होती है उतनी राशि बैंकों को अलग से रखनी पड़ती है। जब बैंकों का एनपीए बढता जाता है तो फिर उन्हें उसी अनुपात में राशि की व्यवस्था करनी पड़ती है। इसके कारण रोजमर्रा के उनके कामकाज के लिए राशि कम पड़ती है। ऋण देकर बैंकों को जो कमाई होती है वह भी कम होती जाती है और धीरे-धीरे बैंक पर संकट की स्थिति बनती है और बैंक की वित्तीय सेहत चरमरा जाती है।

बहुत सारे बड़े कर्जदार देश छोड़कर चले गए हैं। उनको देश में लाने की मशक्कत चल रही है लेकिन यह प्रक्रिया इतनी लंबी और कानूनी पेचीदगियों वाली होती है कि वास्तविक रिजल्ट आने में बहुत लंबा समय लगता है। बैंक प्रबंधन और कॉर्पोरेट घरानों के बीच अपवित्र गठबंधन को तोड़ना बहुत जरूरी है।

भोपाल में पिछले दिनों एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरसंघचालक दत्तात्रेय होसबोले ने भी इस मामले को गंभीरता से रखा था कि एक आम आदमी को बैंकों से लोन लेने में कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और बड़े-बड़े लोग कर्ज लेकर मिलीभगत से जन-धन का दुरुपयोग करते हैं। यह स्थितियां किसी भी देश के लिए बहुत खतरनाक हैं। जब अर्थव्यवस्था ही चरमरा जाएगी तो फिर कोई भी व्यवस्था कैसे चल सकेगी?

भारतीय संस्कृति में कर्ज के एहसास और उसको उतारने की लंबी परंपरा है। इंसान के जीवन में जन्म के साथ ही कई ऋण आ जाते हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसे ऋणों को उतारने का परम विचार और प्रक्रिया विद्यमान है। जन्म के साथ ही माता पिता, परिवार, समाज, राष्ट्र, प्रकृति का ऋण हर इंसान को चुकाना उसका दायित्व होता है। प्रकृति से हमें जो मिला है अगर हम उसे केवल लेते रहेंगे, देने की परंपरा का निर्वाह नहीं करेंगे तो वक्त के साथ कम ही होगी। हमारी संस्कृति में कोई भी कर्ज रखना पाप के रूप में देखा जाता है। आज भी ऐसे अनेक मामले मिल जाएंगे जहां कर्ज चुकाने के लिए व्यक्ति ने अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया हो।

बैंकों में गड़बड़ियों के बढ़ते मामलों के कारण बैंकों के प्रति जन विश्वास भी प्रभावित हुआ है। आम लोगों में बैंकों के प्रति विश्वास की कमी सामान्य रूप से देखी जा सकती है। विलफुल डिफॉल्टर कई बार बैंक ऋण नहीं चुकाने की मानसिकता के कारण अपने उद्योगधंधों को घाटे में दिखा देते हैं। कानूनी प्रक्रिया इतनी लंबी चलती है कि बैंक ऐसे लोगों का मुकाबला करने से पिछड़ जाते हैं।

भारत में राजनीतिक व्यवस्था 2014 में बदली है। उसके पहले एक ही सोच की शासन व्यवस्था चल रही थी। बड़े-बड़े बैंक घोटाले इसके बाद ही उजागर हुए हैं और उन पर कार्यवाही भी होती दिखाई पड़ी है। वर्तमान में जो व्यवस्था है उसे ही पुरानी गड़बड़ियों का भी हिसाब देना पड़ता है। आश्चर्यजनक स्थिति है कि जो लोग पुरानी गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार हैं वे ही वर्तमान व्यवस्था से सवाल करने से भी पीछे नहीं। यही प्रजातंत्र की खूबसूरती कही जाएगी।

वित्तीय मामलों में वैसे तो राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का कोई बहुत अधिक मतलब होता लेकिन इसका प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। खजाने का काम हमेशा बहुत ही ईमानदार और विश्वसनीय हाथों में रखा जाता है। बैंकों में जिस तरह के घोटाले सामने आए हैं उससे तो ऐसा लगा कि बैंकों की नियुक्तियों में इसका ध्यान पहले शायद नहीं रखा गया है।

बैंकों पर बड़े पदों पर बैठे लोग व्यक्तिगत स्वार्थ और भ्रष्ट आचरण से पैसा कमाई करने में जुटे हुए हैं। बैंकों पर भरोसा शायद उनकी प्राथमिकता नहीं है। बैंकों के फायदे से ज्यादा उन्हें अपने फायदे देखने की बुरी आदत लग गई है। बैंकों में भ्रष्टाचार पहले लोग सोचते भी नहीं थे लेकिन अब तो भ्रष्टाचार के मामले इतने बढ़ गए हैं कि इन्हें अगर भ्रष्टाचार का बैंक की कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर ईश्वरानंद उत्तम स्वामी महाराज भाजपा जिला अध्यक्ष निवास पहुंचने पर हुआ स्वागत

धार। भोजशाला अवलोकन के बाद परम पूज्य संत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर ईश्वरानंद उत्तम स्वामी जी महाराज का भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजीव यादव निवास कुम्हार गड्डा पर पंहुचे यहां उत्तम स्वामी जी महाराज के श्री चरण स्पर्श कर परिवार जानो ने आशीर्वाद प्राप्त किया। उत्तम स्वामी जी महाराज के साथ विशेष अतिथि में दिल्ली के वरिष्ठ भाजपा नेता श्री आनंद साहू ,तपन भौमिक,भाजपा संगठन जिला प्रभारी श्याम बंसल सहित अनेक संत पहुंचे। संत उत्तम स्वामी जी का पुष्माला से स्वागत पूर्व विधायक करण सिंह पंवार ,भाजपा नेता कन्हैयालाल यादव ,अशोक पटेल, जिला महामंत्री सन्नी रिन, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कुसुम सौलंकी ,अनुसुचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा ,भाजपा मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ,बद्री सिंह पटेल ,दिलीप सिंह पटेल ,सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र अग्रवाल ,विधायक प्रतिनिधि शिव पटेल, मनोज ठाकुर ,विजय रघुवंशी आशीष अग्रवाल, विवेक गौड़ ,सुनील गामड़, संजय मकवाना विकास शर्मा ,महेश रावला ,लाखन सिंह नवासा ,रवि मेहता ,मनीष मकवाले ,वीरेंद्र पाटीदार ,ईश्वर जाट ,राजकुमार रघुवंशी ,विनोद चौधरी ,आशीष चौहान ,करण पटेल लक्की सिसौदिया,पुरुषोत्तम चौहान ,निशा शर्मा ,अनुसुईया वैष्णव ,प्रज्ञा ठाकुर अनिल गेहलोत ,भुवन यादव सहित अनेक लोगों ने किया।

शासन की नीति अनुसार फोर टी आधारित कोविड सर्विलांस किया जाएः प्रभारी मंत्री

धार। कोविड-19 की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए बुधवार को प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व जिले के प्रभारी मंत्री मंत्री डॉक्टर प्रभुराम चौधरी ने धार ज़िले की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित आधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की नीति अनुसार फोर टी आधारित कोविड सर्विलांस किया जाए। जिसमें टेस्टिंग ट्रैकिंग ट्रीटमेंट एवं टीकाकरण का बूस्टर डोज सम्मिलित है। सीएमएचओ डॉ शिरीष रघुवंशी ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया। साथ ही बताया कि 27 दिसंबर को जिला अस्पताल एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। जिसमें पीएसए प्लांट का सफल संचालन किया गया एवं ऑक्सीजन कंसंट्रेटेड 244 को चालू परीक्षण किया गया। जिले में कोविड हेतु 724 ऑक्सीजन बेड की की व्यवस्था है। जिले में 703 ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध है एवं जिला अस्पताल , बदनावर में सीटी स्कैन संचालित है। बैठक में सांसद छतरसिंह दरबार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेड़ा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, जिला आपदा प्रबंधन समिति सदस्य राजीव यादव, जिला पंचायत सीईओ केएल मीणा, एएसपी देवेंद्र पाटीदार सहित सम्बन्धित अधिकारी रहे मौजूद।

उप निर्वाचन का प्रथम रेण्डमाइजेशन आज

छतरपुर। त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2022 (उत्तरार्द्ध) हेतु प्रथम रेण्डमाईजेशन 29 दिसम्बर को कलेक्टर संदीप जी आर की उपस्थित में प्रातः 11 बजे कार्यालय जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी (एनआईसी) छतरपुर में होगा। इसी दिन प्रातः 11 बजे 3-3 बॉक्स बैलेट यूनिट हेतु एवं 3 बॉक्स कंट्रोल यूनिट के ले जाने आवश्यकतानुसार पिकप अथवा छोटा हाथी वाहन तहसीलदार एवं रिटर्निंग ऑफिसर जनपद पंचायत बिजावर व राजनगर कर्मचारियों सहित उपस्थित होना सुनिश्चित करें। रेण्डमाईजेशन उपरांत आबंटित ईव्हीएम के बॉक्स कार्यालय पुरानी तहसील महल रोड छतरपुर में प्रदाय की जाएगी।

मृतक के वारिसान को आर्थिक सहायता स्वीकृत

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर ने तहसील छतरपुर के प्रतिवेदन पर मोटर साइकिल एक्सीडेंट में मृत व्यक्ति के निकटतम वारिस को 15 हजार रुपये आर्थिक अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की है। अधिकृत जानकारी के अनुसार ग्राम रमपुरा के पास स्थित तरपेड नदी के पास मोटर साइकिल एक्सीडेंट सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति धीरज विश्वकर्मा पिता कूरा उर्फ गजाधर निवासी रमपुरा के निकटतम वारिस माता श्रीमती पूना विश्वकर्मा को आर्थिक अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

30 को लगेगा रोजगार मेला

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशानुसार छतरपुर जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 30 दिसम्बर 2022 शुक्रवार को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के परिसर में प्रातः 11 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की कंपनी भाग लेंगी। रोजगार मेले में आवेदनकर्ता को समस्त दस्तावेज लाना अनिवार्य है। मेले में कोविड-19 से सुरक्षा हेतु मास्क पहनकर उपस्थित होना होगा।

कलेक्टर ने दिए खुले पड़े बोरवेल को बंद कराने के निर्देश

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर ने जिले के नगरीय निकायों के अंतर्गत सभी निजी एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्थित बोरवेलों का वार्ड प्रभारी के माध्यम से सत्यापन कराकर खुले पड़े बोरवेलों को शत-प्रतिशत बंद कराने के निर्देश जारी किए हैं तथा इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने को भी कहा गया है कि संबंधित के क्षेत्रान्तर्गत सभी खुले बोरवेलों को बंद कर दिया गया है। साथ ही सभी निजी बोरवेलों की खसरा में प्रविष्टि भी कराएं।

पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बने अरविन्द वर्मा

छतरपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा केनिर्देशानुसार एवं पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंहकुशवाहा,भाजपा संभाग प्रभारी मुकेश चतुर्वेदी,जिला प्रभारी अवधेशनायक,भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह की अनुशंसा पर पिछड़ा मोर्चा केअध्यक्ष अवधेश यादव द्वारा युवा नेता अरविन्द वर्मा ऊर्फ कल्लू भैया कोपिछड़ा मोर्चा में जिला उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह ने अरविन्द वर्मा का माल्यार्पण एवं मिष्ठानखिलाकर स्वागत किया तथा आशा व्यक्त की कि वह पार्टी की रीति और नीति परचलकर पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। स्वागत समारोह के अवसर पर अध्यक्षअवधेश यादव,महामंत्री जगदीश सेन,नगर मंत्री पंकज, विक्रम,कमलेश सहित भारीसंख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सलकनपुर धाम के सड़क मार्ग का चौड़ीकरण होगा, वन विभाग की भूमि का होगा हस्तांतरण

कलेक्टर श्री सिंह ने सलकनपुर मंदिर परिसर का निरीक्षण किया

सीहोर। माता विजयासन धाम सलकनपुर में देवी लोक के निर्माण के संबंध में कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सलकनपुर मंदिर परिसर के समीप वन विभाग की भूमि का वन एवं राजस्व अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क मार्ग से मंदिर तक पहुंचने के मार्ग की चौड़ाई बड़ाने तथा देवीलोक के निर्माण के लिए भूमि की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित अधिकारियों को वन विभाग से भूमि हस्तान्तरण का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के पश्चात मंदिर में कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित विभागों की बैठक आयोजित कर वन विभाग से भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया की कार्यवाही शीघ्र कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश। ट्रस्ट अध्यक्ष श्री महेश उपाध्याय, सीसीएफ वन,

एसडीएम श्री राधेश्याम बघेल, नायब तहसीलदार जयपाल उइके तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री महालोक उज्जैन की तर्ज पर सलकनपुर देवी मंदिर में बनने वाले देवी लोक में 64 योगिनी और माता के 9 स्वरूपों की प्रतिमाएँ स्थापित की जायेंगी। आगामी नवरात्र में मंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम किया जायेगा, जिसमें देवी लोक की परिकल्पना को श्रद्धालुओं के समक्ष रखा जायेगा। विगत दिनों मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देवी लोक के निर्माण की कार्यवाही के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह की संस्कृति, पर्यटन, लोक निर्माण वन सहित अनेक विभागों के साथ बैठके की जा चुकी हैं। वर्तमान में मंदिर में चल रहे विकास कार्यों में पार्किंग, दुकान निर्माण और तालाब सौंदर्यीकरण का कार्य लगभग 60 प्रतिशत पूर्ण हो गये हैं।

तीन दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ

बैतूल। आदिवासी फुटबॉल क्लब टेमनी के बैनर तले तीन दिवसीय एएफसी कप सीजन-1 का आयोजन ग्राम टेमनी में किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य शैलेंद्र कुंभारे, जनपद सदस्य धनु उईके, सरपंच भावना खातरकर, युवा समाजसेवी बंडू लिखितकर, हर्षित शिंदे मौजूद रहे। आयोजन समिति कृष्णा उईके, विजय बड़ैदे, राहुल उईके, विक्रम सिंग, राम जाने, गोलू वराठे ने बताया फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता शुरू करवाई। इस दौरान भारत भारती और जय हिंद एफसी के बीच हुए मुकाबले में जय हिंद एफसी विजेता रही। इसी तरह डीसीसी एफसी बैतूल और एमटीएफसी मुलताई के मध्य हुए मुकाबले में डीसीसी एफसी बैतूल ने जीत दर्जी की।

मिशन 2023 फतह की तैयारियों में जुटी कांग्रेस

राष्ट्रीय सचिव की उपस्थिति में हाथ से जोड़ो हाथ अभियान की रणनीति तैयार

बैतूल। अगले वर्ष प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने युद्ध स्तर पर अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद राहुल गांधी की अगुवाई में भारत जोड़ो यात्रा को लोगों का अपार जन समर्थन मिल रहा है तो वहीं अब इसी यात्रा से उत्साहित होकर कांग्रेस हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा का आयोजन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निर्देश के बाद हाथ से जोडो हाथ यात्रा के परिपेक्ष्य में राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर की बैठकें हो चुकी हैं, अब जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गयी है। राधाकृष्ण धर्मशाला में आयोजित बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुनील शर्मा, मुलताई विधायक एवं पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे,बैतूल विधायक निलय विनोद डागा भैंसदेही विधायक, धरमुसिंह सिरसाम, घोड़ाडोंगरी विधायक ब्रम्हा भलावी, प्रदेश सचिव समीर खान, कार्यवाहक अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, सेवादल अध्यक्ष अनुराग मिश्रा समस्त ब्लाक अध्यक्ष, पदाधिकारी, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारियों समेत बड़ी संख्या में जिले भर से कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

26 जनवरी 2023 से होगा आगाज- कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करते हुए श्री मित्तल ने कांग्रेस जनों को दिए अपने संबोधन में कहा कि, मिशन 2023 की फतह के लिए अब प्रत्येक कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता को जी जान से जुट जाना है। भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद अब कांग्रेस पूरे देश मे हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुवात करने जा रही है। इस संबंध में राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर की बैठकें हो चुकी हैं। एवं अब मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिलों में बैठकें की जा रही हैं। इसके बाद ब्लाक, मंडलम और सेक्टर स्तर की बैठक होगी। सभी तैयारियों के बाद हाथ से हाथ जो?ो अभियान का आगाज 26 जनवरी 2023 से किया जाना है। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक कांग्रेसी अपने अपने ब्लाक क्षेत्र, मंडलम एवं सेक्टर , और प्रत्येक ग्रामके बूथों तक पहुंचकर लोगों और ग्राम वासियों से सीधा संवाद करेंगे। आम नागरिकों को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के विषय मे विस्तार से जानकारी देंगे, साथ ही देश प्रदेश,में कांग्रेस पार्टी के सफलतम कार्यकाल की उपलब्धियों, जन उपयोगी योजनाओं को भी जनता के बीच रखेंगे। श्री मित्तल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि, इस अभियान को कांग्रेस जन पूरी गम्भीरता से लेकर काम करेंगे तो निश्चित ही अगले चुनाव में कांग्रेस को अप्रत्याशित सफलता मिलेगी।

खनिज विभाग की टीम नें अवैध रेत परिवहन करते हुए चार टेक्टर ट्रालियों पर की कार्यावाही, अवैध उत्खन्नकर्ताओं में मचा हडकंप

सिरोंज। नगर सहित आसपास की नादियों से पनडुप्पी के माध्यम से रेत का अवैध उत्खन्न जारी है एवं अवैध कोपरे का उत्खन्न भी लगातार दिन के उजाला हो या रात का अंधेरा लगातार उत्खन्न चल रहा है। इसको लेकर लगातार समाचार पत्रों मे लगातार खबरे प्रमुखता के साथ प्रकाषित की जा रही थी। इसी को लेकर जिले की खनिज विभाग की टीम सिरोंज पहुँची जहां अनुविभागीय अधिकारी प्रवीण प्रजापति के साथ इलाके मे हो रहे उत्खन्न को लेकर भ्रमण पर निकले। तों वही तीन टेक्टर बजरी के एवं एक बोलडर के टेक्टर को पकडा है जिसको लाकर तहसील प्रगण में लाकर खडा किया गया है। परिवहन करते हुए इन चारों टेक्टरों को सिरोंज व चाठौली रोड से पकडा गया है जिनके उपर खनिज अधिनियम के तहत जुर्माने की कार्यावाही की जाएगी। जैसे ही इलाके के खनिज माफियों को सूचना मिली तों उनके हडकंप का महौल मच गया।

लगातार भ्रमण कर करेगे कार्यावाही - जब हमारे संवाददाता ने पूछा कि झागर बामूलिया सेमलखेडी चाठोली आदि जगह रेत का अवैध उत्खन्न किया जा रहा है तों खनिज अधिकारी रावत ने कहा कि हम लगातार सर्चग कर कार्यावाही करेगे गौरतलब हो कि जिले की खनिज विभाग की टीम कार्यावाही करने से पहले ही कुछ दलालों के फोन पहुँच जाते है जिससे बडी कार्यावाही होने बच जाती है। लेकिन श्री रावत ने कहा है कि जैसे ही हमे सूचना मिलेगी तों टीम के द्धारा कर्यावाही करवाएगे।

ठेकेदार के बिचोलिऐं है सक्रिय - जैसे ही नगर में खनिज विभाग की टीम नगर सिरोंज के तहसील कार्यालय पहुँची तों ठेकेदार के बिचोलिए सक्रिय हो गये और इधर उधर कोने कोने दुबके हुए फोन लगाते हुए नजर आऐं जिससे टीम जहां पहुँच

नही पाती कि वहां हो रहे उत्खन्न की सूचना खन्नकर्ताओं को मिल जाती।

कोपरे की नही है नगर सिरोंज मे कोई लीज - जब जिला खनिज अधिकारी से पूछा कि नगर सिरोंज मे कोपरे की कोई लीज है तों उनका साफ कहना है कि कोपरे की कोई भी लीज सेंषन नही है। जिससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि जों उत्खन्न हो रहा है वह सिर्फ और सिर्फ अवैध रूप से उत्खन्न किया जा रहा है जगह जगह कोपरा का अवैध उत्खन्न किया जा रहा है। जिससे लाखों रूपयों की राजस्व की हानि हो रही है।

जों कोपरा कालोनियों मे डाला गया है उसकी मांगी जाएगी रायल्टी - नगर सिरोंज मे जितनी भी कालोनियों मे कोपरा डलवाया गया है उसकी रायल्टी मांगी जाएगी जिससे यह साफ हो जाएगा कि किन किन कालोनियों मे रायल्टी से कोपरा डलवाया गया है और किस किस ने बगैर रायल्टी के कोपरा डलवाया गया है जिससे यह साफहो जाएगा कि जों अवैध उत्खन्न कर कालोनियों मे जो कोपरा डलवाया गया है उनकी रायल्टी नही दी गई तों साफहो जाएगा कि यह अवैध उत्खन्न करवाकर डलवाया गया है उनके खिलाफकार्यावाही कर एफ्आईआर भी करवाई जाएगी।

यह कार्यावाही यही तक सीमित या और भी कार्यावाही देखने को मिलेगी - अक्सर देखा जाता है कि नगर या आसपास के नदियों से रेत का अवैध उत्खन्न किया जा रहा है एवं अवैध कोपरे का उत्खन्न किया जा रहा है जिससे संबंधित समाचार आऐं दिन प्रकाषित किये गये है जिसको देखते हुए खनिज विभाग की टीम कुछ छोटी मोटी कार्यावाही कर देते है लेकिन इस बार पांच टेक्टर मोटी रेत से भरे टेक्टर पकड कर जुर्मानी की कार्यावाही की जाएगी जिससे लगता है कि ऐसे कार्यावाही खनिज विभाग द्धारा और देखने को मिल सकती है।

सविंदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को नियमित करे सरकारः डागा

कांग्रेस नेताओं के साथ धरना स्थल पहुंचे विधायक

बैतूल। नियमतीकरण की मांग को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा पुराने कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। संविदा कर्मी लगातार अनोखे ढंग से प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस विधायक निलय विनोद डागा सहित कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष सुनील शर्मा, मुलताई विधायक सुखदेव पांसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण गोठी, मनोज मालवे, हेमंत वागद्रे सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन देते हुए उनकी मांगों को जायज बताया।विधायक निलय डागा ने संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने सहित नियमित करने के लिए सरकार को अल्टीमेटम दिया। श्री डागा ने कहा कि संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कई वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बाद भी उन्हें बहुत कम वेतन दिया जा रहा है। संविदा कर्मचारियों के लिए बीमारी हैं। जिसके कारण वह अपने परिवार का ठीक से भरण-पोषण नहीं कर पा रहे हैं। बता दें कि संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण जिलेभर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के संविदा कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से केंद्रों पर पहुंचने वाले मरीजों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वर्ष 2018 में एक नीति लागू की थी, जिसके तहत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को 90 प्रतिशत वेतनमान दिया जाना है, लेकिन अब तक उक्त वेतनमान का लाभ नहीं दिया जा रहा है। प्रदेश के अधिकांश संविदा कर्मचारी सेवानिवृत्ति पर पहुंचने वाले हैं, किंतु सरकार ने उन्हें भी अबतक नियमित नहीं किया है। सरकार से मांग है कि शीघ्र ही प्रदेश के समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को नियमित किया जाए।

तापी परिक्रमा पदयात्रा 15 को

बैतूल। विगत 16 वर्षो से लगतार मां ताप्ती दर्शन पद यात्रा की जा रही है। इस वर्ष समिति ने निर्णय लिया अब से ताप्ती परिक्रमा यात्रा शुरू की जाएगी। जिसके विषय में राजेश दीक्षित और सुशील जैसवाल सुभाष ने बताया कि समिति ने मप्र, महाराष्ट्र एवं गुजरात के ताप्ती किनारे गांवो का भ्रमण कर यात्रा की रूपरेखा बनाई है। बज्र पान्डे एवं कालभोर नामदेव दवंडे ने बताया कि इस परिक्रमा के शुरू होने में ग्रामीण काफी उत्साह है। सुभाष कास्दे ने बताया कि पदयात्रा को लेकर भव्य स्तर तैयारियां प्रांरभ की जा चुकी है। समिति के अध्यक्ष अध्यक्ष जितेन्द्र कपूर ने बताया कि मप्र एवं गुजरात ताप्ती किनारे गांव में अधिकांश गांव आदिवासी बाहुल्य है। इनमे मां ताप्ती के प्रति अद्भुत भाव देखने को मिलते हैं। महाराष्ट्र एवं गुजरात में इसकी वैभवता देखने को मिल रही है।

मोंग्या नाले पर भू माफियाओं ने बड़े पैमाने पर किया कब्जा

बैतूल। मुलताई तहसील क्षेत्र के ग्राम कामथ में स्थित मोंग्या नाले पर भू माफिया व पूंजीपतियों द्वारा बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया जा रहा है। उपरोक्त अतिक्रमण कार्रवाई को रोकने व अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर ग्राम पंचायत कामथ के पंचों सहित ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर से शिकायत की है। शिकायत करने वालों में पंच भीमशंकर साहू, ग्रामीण रवि साहू, सतीश, विकास, संतोष, राजेंद्र, कृषक इंदल, गणेश, शिव पाठेकर, महेश कुमार, मो.आमीन, शिवम शिवहरे, सुरेश पाठेकर, कैलाश, कारूलाल आदि ग्रामीण शामिल थे। अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही नहीं होने पर इन ग्रामीणों द्वारा धरना आंदोलन करने की भी चेतावनी दी गई है। गौरतलब है कि हरदोली जलसवंर्धन पेयजल योजना में इसी नाले का पानी पहुँचता है। उपरोक्त नाले पर बड़े पैमाने पर भू माफिया व पूंजीपतियों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है जिससे नाले का स्वरूप धीरे धीरे एक छोटी नाली के रूप में तब्दील होता जा रहा है। जिसके चलते बारिश के मौसम में उपरोक्त नाले के पानी को निकलने का स्थान बचा नहीं होने के चलते स्थानीय किसानों के खेत में बाढ़ का पानी भर सकता है। जिसके चलते उपरोक्त नाले पर पूंजीपतियों भूमाफिया द्वारा किए गए अतिक्रमण को रोककर उन पर कार्रवाई करने के साथ ही भविष्य में निर्माण होने वाली बाढ़ आपदा को समय के पूर्व निजात दिलाने व सामान्य जनजीवन प्रभावित ना हो इस बात को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग कामथ क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा की जा रही है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हुई वोट फॉर नेशन

बैतूल। जिले में इन दिनों फिल्म मेकिंग को लेकर निरंतर नवाचार हो रहे हैं, वही शहर के बैतूल वुड प्रोडक्शन द्वारा बनाई गई लघु फिल्म वोट फोर नेशन ने ऑनलाइन हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपना परचम लहराते हुए पुरस्कार प्राप्त किए हैं। अब यह शार्ट फिल्म राष्ट्रीय स्तर पर निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रही प्रतियोगिता में शामिल हो गई है। जिसके परिणाम 2023 में आने फिल्म के निर्देशक कार्तिक त्रिवेदी ने बताया कि अपने वोट की कीमत को बताने के लिए फिल्म का निर्माण किया है, किस तरह से एक वोट राष्ट्र के निर्माण सहभागिता रखता है, इसको लेकर कहानी लिखी गई है और बनाई गई फिल्म को कई ऑनलाइन प्रतियोगिता में विभिन्न स्तर पर पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। हमें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी बेहतर परिणाम की उम्मीद है। फिल्म में सभी कलाकार लोकल है, जिनकी बेहतरीन अदाकारी सहित फिल्म की कहानी के चलते अब तक की प्रतियोगिताओं में बेहतर स्थान रहा है।

बाघ के हमले से एक मृत, क्षेत्र में बढ़ाया गया गश्ती दल

सिवनी— वन्य प्राणियों के हमले से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार नई नई वारदातें सामने आ रही हैं। वन्य प्राणी के हमले की एक खबर की स्याही सूख नहीं पाती और दूसरी घटना घटित हो जाती है। जिले के दक्षिण सामान्य वनमंडल अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्र सिवनी सामान्य के गोपालगंज सर्किल अंतर्गत आने वाले गोपालगंज से चक्कीखमरिया मार्ग जो कि पेंच पार्क के कर्माझिरी गेट का इलाका कहा जाता है इस मार्ग पर बसे ग्राम सारसडोल एवं चिखली मुख्य सडक मार्ग पर बुधवार की शाम को एक वन्यप्राणी(बाघ) के हमले से सिल्लौर निवासी एक राजमिस्त्री की मौत हो गई है। जिसका अंतिम संस्कार गुरूवार की सुबह वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया जायेगा।

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी अनुसार वीरसिंह पुत्र कोदू सनोडिया50 वर्ष निवासी ग्राम सिल्लौर निवासी राजमिस्त्री का कार्य करता है जो कि सिवनी से ग्राम सिल्लौर दोपहिया वाहन से जा रहा था। इस दौरान ग्राम चिखली एवं सारसडोल के पास (बंजारी माता मंदिर के आगे) धीमी गति से चला रहे दोपाहिया वाहन पर सवार वीरसिंह ने जैसे ही बाघ को देखा वह गाडी से गिर गया। और बाघ ने वीरसिंह के माथे व कान को पकडकर करीब 15 फिट रोड से खींचकर ले गया। इस दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

दक्षिण सामान्य वनमंडल के उप वनमंडलाधिकारी सिवनी योगेश पटेल ने बताया कि ग्राम चिखली में बाघ के हमले से जनहानि से संबंधित सूचना मिलने पर वनमंडल की टीम वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटना स्थल पर पहुंची जहां पर अग्रिम कार्यवाहियां करते हुए मृतक वीरसिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला चिकित्सालय सिवनी लाया गया और पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मृतक के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सांत्वना देकर मृतक के परिजनों को त्वरित आर्थिक सहायता हेतु 10 हजार रूपये की राशि दी है। वहीं क्षेत्र में गश्ती बढा दी गई है। और ग्रामवासियों से रात्रि में घर से बाहर न निकलने की अपील की गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल

जोन क्रं. 17 (सरदार भगत सिंह) हा. बोर्डकालोनी करोंद भोपाल दूरभाष : 0755-2701512

राजस्व भूखण्ड का नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भोपाल जोन क्र. 17 के वार्ड क्र. 76 में यांत्रिक विभाग कॉलोनी कोल एण्ड टिम्बर मार्केट छोला भोपाल स्थित भूखण्ड क्र. 158 का नामांतरण किया जाना है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड एवं स्थान	आकार	सम्पत्तिकर आई.डी/ लीज आई.डी.	नवीनीकरण एवं नामांतरण हेतु आवेदक का नाम	आधार
1	श्री बी. के. मिश्रा आत्मज स्व. श्री भगवती प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम कोरगांव पोस्ट ऑफिस पुरवा जिला मंडला, वर्तमान निवास शारदा नगर नारियलखेड़ा भोपाल	भूखण्ड क्रं. 158 फायर ब्रिगेड कॉलोनी कोल एंड टिम्बर मार्केट छोला भोपाल	30 X 50 = 1500 वर्ग फिट	3000000309	श्री सुभाष सिन्हा आत्मज स्व. श्री विद्याधर प्रसाद सिन्हा निवासी 05 राजदेव कॉलोनी न्यू कबाड़खाना भोपाल	रजिस्ट्री,आवेदन पत्र एवं शपथ पत्र के आधार नामांतरण किया जा रहा है यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति है तो 15 दिवस के भीतर जोन क्रं. 17 एवं वार्ड क्रं. 76 में आपत्ति मय साक्ष्य के प्रस्तुत कर सकते है।

उपरोक्त भूखण्ड के नवीनीकरण पर किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो सूचना पत्र के 15 दिवस के भीतर जोन कार्यालय क्र. 17 वार्ड- 76 के कार्यालय में शपथ पत्र मय साक्ष्य के प्रस्तुत करें। नियत समयावधि में यदि कोई आपत्ति प्राप्त नही होती है तो यह माना जावेगा कि किसी को कोई आपत्ति नही है और प्रकरण में विधिवत लीज़ नवीनीकरण हेतु कार्यवाही की जावेगी।

सू.क्रं. 1060/022/023

जोनल अधिकारी
जोन क्रं.17, नगर निगम, भोपाल

अंबानी से टक्कर के बाद टाटा को पछाड़ने में भिड़े गौतम अडानी

● एविएशन सेक्टर में तेजी से पैर पसार रहे हैं गौतम अडानी ● करीब 20 फीसदी एयरपोर्ट्स का बिजनस है अडानी ग्रुप के पास ● टाटा ग्रुप भी अपने एयरलाइन बिजनस को ला रहा है एक साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। कुछ महीने पहले एक भारतीय एयरलाइन के प्रमोटर ने अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी थी। वे अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी से मिलने गए थे। लोग इसे शिष्टाचार भेंट बता रहे हैं। दिलचस्प यह है कि ये दोनों दिल्ली या मुंबई जैसे प्रमुख एविएशन हब की बजाय साबरमती नदी के किनारे बसे शहर में मिलते हैं। यह भारतीय विमानन जगत में बदलाव की आहट दे रहा है। यह एक ऐसा सेक्टर है, जहां कल के पोस्टर बॉय जेट एयरवेज के नरेश गोयल, एयर डेक्कन के कैप्टन जीआर गोपीनाथ, किंगफिशर एयरलाइंस के विजय माल्या और जीवीके पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के जीवी संजय रेड्डी गुमनामी में जाते दिखे हैं।

हवाई यातायात के पांचवें हिस्से पर अडानी का कब्जा– अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम के अलावा मुंबई के प्रमुख हवाई अड्डों के अधिग्रहण के साथ अब भारत के हवाई यातायात के पांचवें हिस्से की देख-रेख अडानी ग्रुप के हाथों में है। अडानी की फ्लिपकार्ट समर्थित ट्रेवल पोर्टल क्लियरट्रिप में भी हिस्सेदारी है। साथ ही अडानी ग्रुप के हालिया अधिग्रहणों में विमान-रखरखाव फैसिलिटी एयर वर्क्स भी शामिल है।

साफ है कि अडानी की एविएशन सेक्टर में बड़ी महत्वकांक्षाएं हैं। टाटा ग्रुप तो पहले ही ऐसे संकेत दे चुका है। टाटा ग्रुप अपने सारे एयरलाइन कारोबार को एक साथ ला रहा है। ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन एयर इंडिया के रूप में एक कंसोलिडेटेड ग्लोबल एयरलाइन पर जोर दे रहे हैं। साथ ही ग्रुप जमीन पर भी महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्स हासिल कर रहा है। यह नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का निर्माण कर रहा है। अडानी के लिए अगले साल ये 3 प्रमुख

फोकस एरिया रहने वाले हैं-

1. नया रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल

एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी एयरपोर्ट्स के आधुनिकीकरण के लिए अडानी ग्रुप द्वारा दिये गए प्रस्ताव पर विचार करने की उम्मीद है। इनमें से एक अहमदाबाद का एयरपोर्ट है। ग्रुप ने एयरपोर्ट्स के आधुनिकीकरण के लिए पैसा कहां से आएगा, इसके लिए भी एक प्रस्ताव दिया है। ग्रुप ने घरेलू यात्रियों के लिए हवाई किराए पर यूजर डेवलपमेंट फीस को 100 रुपये से बढ़ाकर 703 रुपये करने और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 1,400 रुपये करने का प्रस्ताव दिया है। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट पर कमर्शियल एक्टिविटीज से आने वाले रेवेन्यू को शेयर करने के लिए एक नए स्ट्रक्चर का प्रस्ताव भी दिया है। इस मॉडल के तहत अहमदाबाद एयरपोर्ट अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स को ड्यूटी फ्री स्टोर्स, विज्ञापन, लाउंज, रेस्तरां, होटल, खुदरा दुकानों आदि जैसे सभी गैर-वैमानिकी व्यवसायों को आउटसोर्स करेगा। इसके बाद अडानी ग्रुप की कंपनी एयरपोर्ट को रेवेन्यू का एक हिस्सा देगी।

2. और अधिक एयरपोर्ट्स

सरकार की साल 2025 तक 25 एयरपोर्ट्स को निजी सेक्टर को लीज पर देने की योजना है। इनमें भुवनेश्वर, वाराणसी, अमृतसर, त्रिची, इंदौर, रायपुर, कालीकट और कोयंबटूर भी शामिल हैं। इनमें से 11 को पहले चरण में लीज पर दिया जा सकता है। उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस महीने की शुरुआत में ऐसा कहा था। अडानी इस बिजनस में तेजी से विस्तार करना चाहता है। विशेष रूप से वह सबसे पहले अपने गृह राज्य गुजरात के एयरपोर्ट्स का बिजनस अपने हाथ में लेना चाहता है।

3. अधिग्रहण

एयर वर्क्स पहले ही अडानी ग्रुप के पोर्टफोलियो का हिस्सा बन गई है। अब अडानी ग्रुप की निगाह एयर इंडिया की भूतपूर्व इंजीनियरिंग इकाई एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड और ग्राउंड-हैंडलिंग यूनिट एआई एयरपोर्ट्स सर्विस लिमिटेड पर है। ये जल्द ही निजीकरण के लिए आ रही हैं। नाम ना बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, इंजीनियरिंग पीआईएम पहले आ सकती है। ग्राउंड हैंडलिंग यूनिट में भी बहुत सारी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की रुचि है। ऐसे में यह एक और ऐसा एरिया है जहां अडानी और टाटा के कॉमन इंट्रेस्ट्स हो सकते हैं। यह है इंजीनियरिंग यूनिट। यह अभी भी एयर इंडिया को सपोर्ट करती है। यह टाटा की भी एक रणनीतिक जरूरत हो सकती है।

क्षमता की कमी और बढ़ता हवाई किराया

पिछले तीन वर्षों से भारतीय यात्रियों ने 30 प्रतिशत उच्च हवाई किराए का भुगतान किया है। इसे भी हम आंशिक रूप से बढ़ोतरी कह सकते हैं। क्योंकि विमानन मंत्रालय ने हवाई किराए पर एक सीमा तय कर रखी है। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए था कि कहीं महामारी में कमजोर एयरलाइंस बंद ना हो जाएं। लेकिन अब डेली डोमेस्टिक पैसेंजर ट्रैफिक 4.2 लाख यात्रियों के साथ दिसंबर 2019 के स्तर तक पहुंच चुका है और कोई किराया सीमा नहीं है। ईंधन की उच्च कीमतों और रुपये में कमजोरी से किराया अधिक बना हुआ है। कैपेसिटी की कमी आग में घी डालने का काम कर रही है। कोरोना महामारी से पहले एयरलाइंस 3200 डोमेस्टिक उड़ानें संचालित कर रही थीं। वहीं, अब केवल 2800 उड़ानें ही हैं। अंतर सिर्फ यह है कि इस समय फ्लाइट्स में लोड काफी अधिक है। कभी-कभी यह 90 फीसदी से भी अधिक होता है। यह कोरोना महामारी से पहले 80 फीसदी था। फ्लाइट्स की संख्या में कमी कुछ हद तक नगदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट के चलते है। इसने अपने शेड्यूल में भारी कटौती की है। इस बीच इंडिगो और गो फर्स्ट के करीब 70 विमान ग्राउंडेड हैं। इंजर बनाने वाली कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी ग्लोबल सप्लाई चेन में इश्यू के चलते मरम्मत किये गए इंजन्स की सप्लाई नहीं कर पा रही है।

शार्क टैंक इंडिया 2 में मुंबई की पाटिल काकी ने जीता सबका दिल

मुंबई, एजेंसी। बीते कुछ वर्षों में जहां महामारी ने दुनिया भर के लोगों के सामने चुनौती खड़ी की है, वहीं इसने बहुत-से बिज़नेस आइडियाज़ को भी जन्म दिया। 'पाटिल काकी' भी महामारी की चुनौतियां से जन्मी ऐसी एक कंपनी है, जो शार्क अटैक इंडिया 2 में नजर आएगी। सभी शार्क्स इस होममेड स्नैक ब्रांड के बेहतरीन बिज़नेस कॉन्सेप्ट के चलते इस ब्रांड के प्रति आकर्षित हुए। सभी शार्क्स गीता गोविंदा पाटिल से बड़े प्रभावित नजर आए, जिन्हें पाटिल काकी के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें लोगों को खिलाना बहुत अच्छा लगता है और उन्होंने अपनी इसी चाहत को घर के बने स्नैक्स बेचने वाली एक सफल कंपनी में बदल दिया। मुंबई की पाटिल काकी के बिज़नेस में उनके 21 वर्षीय बेटे विनीत के अलावा दर्शील अनिल सावला भी शामिल हैं। इस यंग बिज़नेस माइंड ने व्यवसाय को बढ़ाने और ग्राहकों की जरूरतों को समझने में पाटिल काकी की मदद करने के लिए एक रणनीति विकसित की है। पूरे लॉकडाउन के दौरान विनीत और दर्शील ने व्यंजनों की आपूर्ति के लिए न सिर्फ पाटिल काकी की मदद की, बल्कि कंपनी का नाम स्थापित किया और 20,000 समर्पित ग्राहक भी बनाए। इस मौके पर शार्क्स ने ना सिर्फ इन लज़ीज़ घरेलू पकवानों का लुत्फ उठाया, बल्कि वे विनीत की बेमिसाल मार्केटिंग एवं कोडिंग की योग्यता से भी बेहद प्रभावित हुए। इससे प्रेरित होकर अनुपम मित्तल ने उन्हें 'नए भारत के उभरते चेहरे' कहकर संबोधित किया। इतना ही नहीं, इस मां-बेटे को सभी शार्क्स की तरफ से एक डील मिली। शार्क्स के पैनल ने उल्टा पाटिल काकी को पिच किया। जहां हर शार्क ने 40 लाख रुपए के लिए 2.5न्न की इक्विटी की मांग रखी, वहीं ये देखना दिलचस्प होगा कि इस सौदे पर मुहर लगाने के लिए काकी किस शार्क को चुनेंगे? यह एपिसोड देखिए सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर। इस पिच के दौरान शार्क्स के पैनल में अनुपम मित्तल (शादी डॉट कॉम - पीपल ग्रुप के फाउंडर एवं सीईओ), अमन गुप्ता (बोट के को-फाउंडर एवं सीएमओ), विनीता सिंह (शुगर कॉस्मेटिक्स की को-फाउंडर एवं सीईओ) और पियूष बंसल (लेंसकार्ट डॉट कॉम के फाउंडर एवं सीईओ) मौजूद थे।

शार्क टैंक इंडिया 2 : सलोनी गांभी और मनीष की वेरी मच इंडियन पिच ने शार्क्स को कर दिया इमोशनल!

मुंबई, एजेंसी। 6 गज की साड़ी की सौम्यता और खूबसूरती भारत के सबसे प्राचीन पहनावे का आईना है, जिसने देश को दुनिया के नक्शे पर स्थापित कर दिया। साड़ियों से जुड़ीं इन्हीं भावनाओं पर सवार होकर वेरी मच इंडियन शार्क टैंक इंडिया 2 में एक अमिट छाप छोड़ेगा, जो ऑर्गेनिक और हाथ से बुनी गईं टसर सिल्क और खादी की साड़ियां बेचने वाला एक ऑनलाइन फ्लैटफॉर्म है। इस शो में येवला, महाराष्ट्र से पैठनी साड़ी की अपनी कहानी लेकर आएंगे सलोनी गांभी और उनके को-ओनर मनीष, जो शार्क्स को इस खूबसूरत पहनावे की बुनाई के सफर पर ले जाएंगे। सलोनी की दिल छू लेने वाली कहानी सुनकर सभी शार्क्स की आंखें नम हो जाएंगी, जिन्होंने अपने व्यवसाय की खातिर घर-घर जाकर साड़ियां बेचीं और अपने संघर्ष के चलते अपना घर भी नहीं खरीद पाईं। सलोनी अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का श्रेय खुद को देती हैं। यह वुमन एंटरप्रेन्योर अपने व्यवसाय में 3न्न इक्विटी के लिए 50 लाख रुपए की मांग करेंगी। क्या सलोनी और मनीष शार्क्स से यह डील हासिल करेंगी या फिर उन्हें कोई डील नहीं मिलेगी? जानने के लिए देखिए यह एपिसोड सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर।

52 कंपनियों ने इस साल 18,000 लोगों की नौकरी छीनी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर बाजार सुस्त रहने के चलते बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स ने साल 2022 में कर्मचारियों को बाहर निकाला है. कंपनियों में छंटनी का दौर बीते सितंबर से नवंबर महीने तक बेहद सख्त रहा है. रिपोर्ट के अनुसार इस साल भारत में नए जमाने की इंटरनेट कंपनियों ने 18,000 लोगों को नौकरी से बाहर किया है. आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा छंटनी एडटेक सेक्टर की कंपनियों में हुई है. एक्जीक्यूटिव सर्च फर्म लॉन्गहाउस कंसल्टिंग के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल नए युग की इंटरनेट कंपनियों के सामने आने वाली व्यावसायिक चुनौतियों के कारण लगभग 18,000 लोगों की नौकरी चली गई है. यह स्टार्टअप पैसों की तंगी से जूझते रहे और इसका नुकसान कर्मचारियों को नौकरी गवांकर चुकाना पड़ा.

52 स्टार्टअप कंपनियों ने निकाले कर्मचारी– रिपोर्ट के अनुसार देश में चल रहे 52 स्टार्टअप्स ने वर्कफोर्स पर जमकर कैंची चलाई है. सबसे ज्यादा जिन सेक्टर्स में नौकरियां कम की गई हैं उनमें एडटेक, कंज्यूमर सर्विसेज, ई-कॉमर्स, हेल्थ टेक, लॉजिस्टिक्स, फिनटेक, एंटरप्राइज टेक, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट, एग्री-टेक और क्लीनटेक शामिल हैं. इन स्टार्टअप में काम करने वाले 17,989 कर्मचारियों को नौकरी से बाहर निकाल दिया गया.

देश की पहली 100 प्रतिशत 'देसी' कार बनाने का श्रेय रतन टाटा को

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा का आज यानी 28 दिसंबर को 85वां जन्म दिन है। ख्यातिप्राप्त बिजनेस मैन के अलावे रतन टाटा की एक मोटिवेशनल स्पीकर भी रहे हैं। वे परोपकार और मानवता की भावना के बिना कारोबार का संचालन करने में भरोसा नहीं रखते हैं। उनका जन्म 28 दिसंबर 1937 को मुंबई में नवल टाटा और सूनी टाटा के घर हुआ। वे देश के प्रतिष्ठित टाटा परिवार का हिस्सा थे। उन्होंने टाटा ग्रुप में अपने करियर की शुरुआत 25 की आयु में की। वर्ष 1959 में आर्किटेक्चर और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए वे अमेरिका के कॉरनेल यूनिवर्सिटी गए। साल 1962 में भारत लौटने से पहले लॉस एंजिल्स के जोन्स और इमोन्स नामक कंपनी में उन्होंने नौकरी की। 1962 में भारत लौटने के बाद बाद उन्होंने टाटा ग्रुप ज्वाइन किया। ग्रुप में उन्हें पहला काम जमशेदपुर स्थित टाटा स्टील डिविजन में मिला। वर्ष 1975 में उन्होंने हार्वार्ड बिजनेस स्कूल से प्रबंधन का कोर्स किया। वर्ष 1991 में टाटा ग्रुप के चेयरमैन बने। ये तो वे बातें हैं कि जो रतन टाटा के बारे में सब जानते हैं। पर रतन टाटा के बारे में कुछ ऐसी भी बाते हैं जो कम ही लोगों को पता है।

अशोक गहलोत ने की नए फसाद की शुरुआत, सीतारमण ने एनपीएस का पैसा देने से किया इनकार

गहलोत सरकार को योजना के मद में करीब 41 हजार करोड़ रुपये की जरूरत है

नई दिल्ली, एजेंसी। नई और पुरानी पेंशन स्कीम पर विवाद बढ़ गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार की महत्वकांक्षी योजना ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) पर पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), केंद्रीय वित्त सचिव के बाद अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी झटका दिया है। सीतारमण ने भी कर्मचारियों का न्यू पेंशन स्कीम का पैसा लौटाने की मांग खारिज कर दी है। इसके बाद से विवाद बढ़ गया है। सीतारमण के मुताबिक, एनपीएस कर्मियों की तनख्वाह से काटे जा रहे पैसे पर राज्य सरकार का नहीं बल्कि कर्मचारियों का सीधा अधिकार है। केंद्र सरकार राज्य सरकारों को यह पैसा नहीं दे सकती है। वित्त मंत्री ने कहा कि ओल्ड पेंशन स्कीम की बहाली के नाम पर कर्मचारियों को भ्रमित करना ठीक नहीं है। दरअसल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले दिनों एनपीएस को लेकर एक पत्र लिखा था। इसके जवाब में अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह बात कही है। वित्त मंत्री के मुताबिक, नियोक्ता को एनपीएस की राशि वापस नहीं की जा सकती है। उन्होंने लिखा कि राज्य सरकार ने जनवरी 2004 में अपने कर्मचारियों के लिए न्यू पेंशन स्कीम का ऑप्शन चुना। साल 2010 में प्रदेश-एनपीएस ट्रस्ट के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसमें प्रावधान है कि राज्य सरकार पीएफआरडीए/एनपीएस ट्रस्ट के सभी निर्देशों का अनुपालन करेगी।

मुकेश अंबानी के 20 साल बेमिसाल , रॉकेट के रफ्तार से बढ़ी रिलायंस की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्री की कमान संभालते हुए आज मुकेश अंबानी ने 20 साल पूरे कर लिए हैं। आज धीरूभाई अंबानी की जयंती भी है। रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर आज मुकेश अंबानी ने 20 साल पूरे कर लिए हैं। मुकेश अंबानी की लीडरशीप में रिलायंस के लिए ये 20 साल बेमिसाल रहा है। इन 20 सालों में कंपनी का नेटवर्थ, प्रॉफिट, कंपनी की आय, एसेट, मार्केट कैप सबमें जबरदस्त तेजी आई और सब डबल डिजिट ग्रोथ में पहुंच गया है।

मुकेश अंबानी का कमाल, 20 गुना बढ़ी कंपनी की आय– मुकेश अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस की कमाई में 20 गुना बढ़ोतरी हुई। साल 2002 में रिलायंल इंडस्ट्री का मार्केट कैप जहां 41989 करोड़ का था , जो आप की तारीख में 17 लाख 81 हजार 841 करोड़ पर पहुंच गई है। रिलायंस की आय के आंकड़े को देखें तो वित्तीय वर्ष 2001-02 में कंपनी की आय 45411 करोड़ थी, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 में 7 लाख 92 हजार 656 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वहीं कंपनी का मुनाफा वित्तीय वर्ष 2001-02 में 3280 करोड़ से बढ़कर 67 हजार 845 करोड़ पर पहुंच गया है।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व में पिछले दो दशकों में कंपनी ने इनकम, नेटवर्थ सबमें बढ़ोतरी हुई है। न केवल कंपनी की आय में बढ़ोतरी हुई है बल्कि निवेशकों के भी खूब फायदा हुआ है। इन 20 सालों में 87 हजार करोड़ प्रति वर्ष की दर से निवेशकों को 17.4 लाख करोड़ रु का लाभ हुआ। उनके नेतृत्व में फेसबुक, गूगल और बीपी जैसी कंपनियों ने रिलायंस में निवेश किया है। तेल से शुरु कर कंपनी ने दूरसंचार और रिटेल में कई मुकाम हासिल किए हैं। मुकेश अंबानी पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने डेटा को 'न्यू-ऑयल' कहा था। आज वो फ्यूल किस कदर तक आपके जीवन में घुसा है वो हम सब देख रहे हैं।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस जियो देश ही नहीं दुनिया की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों के बीच आकर खड़ी हो गई है। डेटा क्षेत्र में जियो ने बड़ी क्रांति ला दी है। जो डेटा पहले करीब 250रु प्रति जीबी मिलता था आज वो 10 रुपये पर गिर गया है। न केवल दाम में गिरावट आई हैं बल्कि डेटा खपत में भी लंबी छलांग लगाई है, जिसका श्रेय भी जियो को जाता है। मोबाइल के अलावा रिटेल सेक्टर में रिलायंस दुनिया की बड़ी कंपनियों को टक्कर दे रहा है। रेवेन्यू के मामले में रिलायंस रिटेल सबसे बड़ी कंपनी बन गई। मुकेश अंबानी वर्तमान के साथ-साथ भविष्य का भी सोच रहे हैं। उन्होंने 75 हजार करोड़ रु के निवेश से जामनगर में न्यू एनर्जी के लिए 5 गीगा फैक्टरी लगाई जा रही हैं।

गेहूं की कीमत में जल्दी आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में गेहूं की कीमत पर काबू करने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत एफसीआई के स्टॉक से खुले बाजार में 15-20 लाख टन गेहूं बेचने की तैयारी है। इससे गेहूं की कीमत में कमी आने की संभावना है। खुली बाजार बिक्री योजना के तहत आटा मिलों जैसे थोक उपभोक्ताओं के लिए यह गेहूं निकाला जाएगा। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 27 दिसंबर को गेहूं का औसत खुदरा मूल्य 32.25 रुपये प्रति किलोग्राम था, जो एक साल पहले की अवधि में 28.53 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक है। गेहूं के आटे की कीमत भी एक साल पहले के 31.74 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 37.25 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी रही। ओएमएसएस नीति के तहत, सरकार समय-समय पर थोक उपभोक्ताओं और निजी व्यापारियों को खुले बाजार में पूर्व-निर्धारित कीमतों पर खाद्यान्न, विशेष रूप से गेहूं और चावल बेचने के लिए सरकारी उपक्रम, भारतीय खाद्य निगम को अनुमति देती है। इसका उद्देश्य मौसमी मांग के आधार पर आपूर्ति को बढ़ावा देना और सामान्य खुले बाजार की कीमतों को कम करना है। सरकारी सूत्रों ने कहा, 'खाद्य मंत्रालय ने गेहूं के संदर्भ में वर्ष 2023 के लिए एक ओएमएसएस नीति पेश की है। इसके तहत थोक उपयोगकर्ताओं के लिए एफसीआई से 15-20 लाख टन अनाज जारी करने की योजना है।'

- **खुले बाजार में गेहूं बेचने की तैयारी में सरकार**
- **एफसीआई के भंडार से 20 लाख टन गेहूं बेचेगी**
- **गेहूं की कीमत में इस साल काफी बढ़ोतरी हुई है**

कितनी होगी कीमत– सूत्रों ने कहा कि गेहूं को एफसीआई के भंडार से जारी किया जाएगा और अभी इसकी दर तय नहीं किया गया है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि ओएमएसएस के तहत गेहूं जारी किए जाने की संभावना है क्योंकि सरकार के पास इस खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार है। इसके अलावा, नए गेहूं की फसल की संभावना बेहतर दिख रही है क्योंकि अब तक इसकी खेती का कुल रकबा अधिक है।

आनंद महिंद्रा ने शेयर किया दिलचस्प डेटा, बिहार में सबसे कम परिवारों के पास है कार

लिस्ट में 45.2 प्रतिशत के साथ गोवा पहले नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज ऑटो कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। इस बार उन्होंने ट्विटर पर एक सर्वे का डेटा शेयर किया है। इसमें बताया गया है कि देश के किस राज्य में कितने प्रतिशत परिवारों के पास कार है। इस सर्वे के मुताबिक पूरे देश में 7.5 फीसदी लोगों के पास कार है। इसके मुताबिक देश में गोवा के सबसे ज्यादा परिवारों के पास कार है जबकि सबसे कम कारें बिहार के परिवारों के पास है। गोवा में 45.2 फीसदी परिवारों के पास कार है जबकि बिहार में केवल दो फीसदी परिवारों के पास कार है। दिलचस्प बात है कि राजधानी दिल्ली में केवल 19.4 फीसदी परिवारों के पास ही कार है। महिंद्रा ने इस मैप के साथ यूजर्स से सवाल पूछा है कि आप इस मैप को देखकर क्या सोचते हैं। मैं आपका जबाव जानने के लिए उत्सुक हैं। यह सर्वे को सोर्स नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 है जो 2019 से 2021 के बीच कराया गया था। इसके मुताबिक पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों में कारों की संख्या बाकी राज्यों की तुलना में ज्यादा है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, सिक्किम, अरुणाचल, नागालैंड, मणिपुर और केरल में 20 फीसदी से अधिक परिवारों के पास कार है। उत्तराखंड, हरियाणा, गुजरात, मेघालय और मिजोरम में 10 फीसदी से अधिक परिवारों के पास कार है।

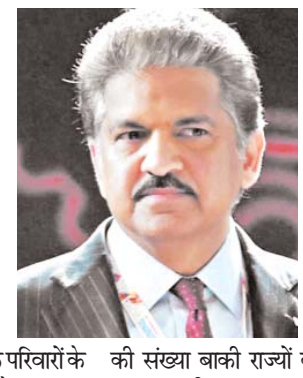

बिहार सबसे नीचे

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, झारखंड, असम, त्रिपुरा और तमिलनाडु में पांच फीसदी से अधिक परिवारों के पास कार है। जिन राज्यों में परिवारों के पास पांच फीसदी से कम परिवारों के पास कार हैं, उनमें बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। बिहार में दो फीसदी, पश्चिम बंगाल में 2.8 फीसदी, ओडिशा में 2.7 फीसदी और आंध्र प्रदेश में 2.8 फीसदी परिवारों के पास कार है। महिंद्रा के इस ट्वीट को 30 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। महिंद्रा के इस ट्वीट पर यूजर्स ने मजेदार जवाब दिए हैं। इनमें से कुछ को महिंद्रा ने रिट्वीट किया है। जेरामकृष्ण नाम के यूजर ने कहा कि सभी सीमावर्ती राज्यों में लोगों के पास ज्यादा कारें हैं। मुझे पक्का विश्वास है कि हमारी सरकारी एजेंसियां इसे देख रही होंगी। अदिति दवे नाम की एक यूजर ने लिखा कि जिन इलाकों में लोगों के पास ज्यादा कारें हैं वहां की स्थितियां दुर्गम हैं। वहां पहाड़ हैं, सड़कों की स्थिति अच्छी नहीं है और इन्फ्रास्ट्रक्चर की समस्या है। ऐसे में कई बार लोग खुद की गाड़ी खरीदना पसंद करते हैं। दिनाकरण अरुणाचलम नाम के यूजर ने लिखा कि पहाड़ी राज्यों में ज्यादा लोगों के पास कार है। यह थार के लिए अच्छा बाजार है। ब्रह्म नाम के एक यूजर ने लिखा, बिहार में जो 2 प्रतिशत दिख रहा है वो आपके बोलेरो का होगा। वहाँ पर सिर्फ आपका बोलेरो ही चलता है।

ठंड की ठिठुरन के साथ राहत भी, सब्जियां हुई सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। ठंड में हरी सब्जियों की आवक बढ़ने से थोक भाव में भारी गिरावट आई है। पिछले महीने जो टमाटर 20 रुपये किलो बिक रहा था, उसकी कीमत अब आधी हो गई है। वहीं, ठंड की वजह से हरियाणा और राजस्थान से आने वाली भिंडी की सप्लाई ठप हो गई है। इसकी वजह से आजादपुर मंडी के कारोबारी परेशान हैं। हालांकि, लोगों की मांग पर अब गुजरात से भिंडी मंगवाई जा रही है।

एशिया की सबसे बड़ी सब्जी मंडी आजादपुर में इस समय सब्जियों की भरमार है। स्थिति यह है कि गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों से आने वाली ट्रकों की लंबी कतार लगी हुई है। सब्जियों से लदे इन ट्रकों को खाली होने में घंटों इंतजार करना पड़ा है। मंडी के वेजिटेबल ट्रेडर्स असोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल मल्होत्रा का कहना है कि ठंड बढ़ने के साथ ही हरी सब्जियों की आवक भी बढ़ गई है, जिसकी वजह से थोक भाव में काफी गिरावट आई है। हालांकि, 10 दिन बाद फिर से सब्जियों के भाव बढ़ने के कयास लगाए जा रहे हैं।

इस समय सब्जी के कारोबारी गुजरात से भिंडी मंगवा रहे हैं, जिसकी कीमत करीब 60 किलो है। सब्जी कारोबारी अनिल का कहना है कि पहले हरियाणा, राजस्थान से भिंडी की सप्लाई होती थी, लेकिन अब सप्लाई ठप हो गई है। जिसकी वजह से मंडियों में भिंडी का अकाल है। हालांकि, लोगों की मांग को देखते हुए सभी कारोबारी गुजरात से भिंडी मंगवा रहे हैं। जिसके दाम हरियाणा, राजस्थान की भिंडी से अधिक हैं। वहीं, पिछले साल की ठंड में जब गुजरात से भिंडी आती थी। उसकी कीमत 100 प्रति किलो थी।

आज आएंगी उमाभारती, कल जाएंगी बालाघाट

छिंदवाड़ा । पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमाभारती आज शाम को छिंदवाड़ा पहुंचेगी वे 19 दिसंबर को भोपाल से बरेली, आवेदुल्लागंज,वाडी होकर बरेली, पिपरिया पहुंचेगी । शाम 4 बजे पिपरिया से तामिया, परासिया से छिंदवाड़ा 7 बजे पहुंचेंगी और स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वे 30 दिसम्बर को छिंदवाड़ा से चौरई-बरघाट होकर 2 बजे बालाघाट पहुंचेंगी।

रूद्र, पुष्कर, अशवंत, अनुभव फाइनल में
कोयलांचल के खिलाड़ी अंतिम चक्र में

छिंदवाड़ा । जिला बेडमिंटन संघ द्वारा जिला बेडमिंटन चेम्पियनशिप 2022 का आयोजन बेडमिंटन हॉल में किया जा रहा है इस अवसर पर आबकारी अधिकारी अमिताभ त्रिपाठी,स्पर्धा अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह बैस,बी एल उइके, अंकुर शुक्ला, खेल अधिकारी अजय सिंह ठाकुर, जावेद खान एस ए एफ , सुमित जैन, टी आर यादव उपस्थित थे बेडमिंटन संघ के स्पर्धा अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह बैस ने बताया की दूसरे चक्र के आज कुल 42 मैच खेले गए जिसमे मुख्य मुकाबले परासिया, जुन्नारदेव, पांढुर्ना व छिंदवाड़ा के खिलाड़ियों के मध्य खेले गए स्पर्धा सचिव जावेद खान ने बताया कि कल स्पर्धा के सेमीफाइनल ओर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे रुद्र, अशवंत, पुष्कर ओर अनुभव, जानवी , संचारिक, आयुषी, साक्षी व समीक्षा अपने ग्रुप में फ़ाइनल राउंड में पहुँच गए हैं। स्पर्धा व कार्यक्रम का संचालन जावेद खान ने किया । निर्णायक के रूप में आर्यान्श खन्ना , आनंद पाठक , रत्नेश दुबे , यशवंत मार्को , साक्षी कराजगाओकर , कोमल साह व भागवती कुमरे ने सहयोग किया ।

समुद्र मंथन मैं प्राप्त विष को पीकर बने नीलकंठ महादेव

अमरवाड़ा । नगर के राम मंदिर मानस भवन प्रांगण में गुरुदेव शंकराचार्य जी के परम शिष्य कथावाचक पंडित श्री हितेद्र शास्त्री ने आज समुद्र मंथन के बारे में विस्तृत रूप से यह बताया कि समुद्र मंथन में जब अमृत और विष निकला तो सभी देवताओं ने भगवान शिव से प्रार्थना की कि आप इस गरल को धारण कीजिए भगवान शिव ने माता पार्वती की तरफ देखा माता पार्वती ने मुस्कुरा के देखा महादेव ने उस विष को पी गए जिससे उनका गला नीला हो गया तभी से उन्हें नीलकंठ महादेव कहा जाने लगा बुधवार के दिन चौथे दिवस की कथा में भगवान का जन्म उत्सव मनाया गया यह भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह अमरवाड़ा के प्रतिष्ठित उपाध्याय परिवार के द्वारा आयोजित की जा रही है जिसमें प्रतिदिन महिला एवं पुरुष की संख्या श्रवण करने उमड़ रही है।

वार्ड पार्षद ने कराई टूटे हुए नाले की सफाई

परासिया । वार्ड नं 11 में बहुत दिनों से नाला टूटा हुआ था जिसके कारण सफाई करने में दिक्कत आ रही थी इस कारण सफाई नहीं हो पा रही थी लेकिन वार्ड पार्षद पवन सूर्यवंशी ने स्वयं जाकर सफाई मित्रों के साथ मे लेजाकर नाले की सफाई करवायें जिससे वार्ड वाशियो ने राहत महसूस किया और सफाई मित्रों का धन्यवाद दिया जिसमें सफाई दरोगा दीपक राय और सलीम ख़ान का विशेष योगदान रहा।पार्षद पवन सूर्यवंशी ने सभी सफाई मित्रों का धन्यवाद किया।

नवनियुक्त जनभागीदारी अध्यक्ष प्रदीप राजपूत ने किया शपथ ग्रहण

परासिया । नवनियुक्त जनभागीदारी अध्यक्ष प्रदीप राजपूत का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार के दिन पेंचवली कॉलेज में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप भाजपा जिला अध्यक्ष बंटी साहू भी उपस्थित हुए जिनका भव्य स्वगात सभी, क्क्क्क कार्यकर्ता ओ ओर रेगुलर छात्रों के द्वारा किया गया मंगलवार के कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद मालवी एवं उपाध्यक्ष महेश सोमकुंवर, भाजपा जिला महामंत्री परमजीत विज, जिला योजना सामिति सदस्य अनुज पाटकर, पार्षद पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष बल्लू नागी, भाजपा शिवपुरी मंडल अध्यक्ष देवी पाल, पगारा मंडल अध्यक्ष मनीष सोनू यादव, ऋतुराज सरसवार, पार्षद पवन सुर्यवंशी, आशीष जायसवाल,संतोष डेहरिया, राजू महोरे , दीपक आरसे उपस्थित हुए एवं ABVP के सभी कार्यकर्ता उपस्थित हुए मंच संचालन भाजपा नेता रूपेंद्र डेहरिया के द्वारा किया गया।

पूर्व कलेक्टर एवं एसपी के रक्तदान के प्रति व्यक्त की कृतज्ञता

छिंदवाड़ा । जिले में रक्तदान के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही ब्लड आर्मी टीम बैग फाउंडेशन के सदस्यों ने जिले के पूर्व कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन एवं हाल ही पदभार से मुक्त हुए जिला पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात करते हुए सेवा कार्यकाल में जिले में रक्तदान के क्षेत्र में जागरूकता, रक्तदान शिविर के आयोजन एवं जिले में रक्तदान हेतु प्रशासनिक कर्मचारियों सहित जनमानस को प्रेरित करने हेतु ब्लड आर्मी के सदस्यों ने संस्था का स्मृति चिन्ह एवं अधिकारी द्वारा किए गए रक्तदान एवं संस्था गतिविधियों की छायाचित्र स्मृति के रूप में भेंट करी।

परासिया, जुन्नारदेव क्षेत्र में शीशा, जिंक, सिल्वर एवं कापर का भंडार मिला

बेस मेटल खदान का हुआ सर्वे
राजस्व की एनओसी मिली, वनविभाग की एनओसी के लिए कलेक्टर ने लिखा पत्र

छिंदवाड़ा । जिले में खदान की संभावनाओं को देखते हुए केन्द्र सरकार की संस्था द्वारा बेस मेटल का परासिया और जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र में सर्वे किया गया है। जिन क्षेत्रों में सर्वे किया गया है उससे पता चला है कि बेस मेटल हो सकता है। जिला खनिज अधिकारी मनीष पॉलीवाल ने बताया कि केन्द्र सरकार की संस्था जी.एस.आई. और डी.जी.एम. ने सर्वे किया है। जिसकी कार्रवाई चल रही है। और भविष्य में इन क्षेत्रों में माईनिंग होगी।

बेस मेटल को लेकर खनिज अधिकारी श्री पालीवाल का कहना है कि वेस मेटल एक तरह से भारी धातु, सीसा, जिंक, सिल्वर या कॉपर हो सकता है। उन्होने बताया कि सर्वे में जितनी भूमि आ रही है उसके तहत एनओसी की कार्रवाई की जा रही है। राजस्व और खनिज विभाग की एनओसी ली गई है वन विभाग की एनओसी अभी आई नहीं है। जिसकी कार्रवाई चल रही है। कलेक्टर से वनविभाग के अधिकारियों को पत्र लिखवाया गया है। जब प्रोसेस पूरी हो जाएगी तब खदान नीलाम की जाएगी। जिन क्षेत्रों में बेस मेटल का सर्वे किया गया है उसमें मोरडोंगरी, जमतरा में करीब 800 हेक्टेयर, बेलखेड़ी 660 हेक्टेयर और मोआरी क्षेत्र की भूमि शामिल है। खनिज निरीक्षक विवेकानंद यादव ने बताया कि जिन क्षेत्रों में सर्वे हुआ है उनमें राजस्व, खनिज, वनविभाग के अलावा निजी भूमि आ रही है। वनविभाग से एनओसी के लिए लिखा गया है। इन क्षेत्रों में कितने गांव आ रहे है कितनी निजी भूमि है उसकी जानकारी जुटाई जा रही है और एक सप्ताह के अंदर जानकारी प्राप्त कर ली जाएगी। जिसे ही एनओसी मिलेगी प्रदेश सरकार को जानकारी भेजी जाएगी।

खदान स्वीकृत होती है तो बढ़ेगा राजस्वः मनीष पालीवाल

जिला खनिज अधिकारी मनीश पालीवाल ने बताया कि परासिया और जुन्नारदेव क्षेत्र में बेस मेटल की खदान स्वीकृत होती है तो विभाग के राजस्व में बढ़ोत्री होगी। सर्वे के बाद खदान की प्रोसेस पूरी करने विभाग के अधिकारी पूरी तरह जुटे हुए हैं। एनओसी मिलने के बाद जानकारी सरकार को भेजी जाएगी। उसके बाद खदान स्वीकृत होगी।

मिलकर बनाएंगे छिन्दवाड़ा को नम्बर वनः नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा । स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में विविध आयोजनों के माध्यम से एक एक नागरिक सहित नगर पालिक निगम के साथ मिलकर छिन्दवाड़ा को प्रदेश ही नही देश मे नम्बर वन स्थान दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जावेगी। इसके लिए हम सब छिन्दवाड़ा वासियों को स्वच्छता को अपनी आदत बनानी होगी तभी हम सबका प्रिय छिन्दवाड़ा नम्बर वन पायदान पर आवेगा।यह कहना है जिले के सांसद नकुलनाथ का, बुधवार को नपानि महापौर विक्रम अहाके ने छिन्दवाड़ा को प्रदेश सहित देश का सबसे सुंदर एवं स्वच्छ शहर बनाने के मुख्य उद्देश्य को लेकर नवनियुक्त स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर समाज सेवी दीपकराज जैन, डॉ. घनश्याम दुबे, बादल भारद्वाज एवं नीता नेटी के साथ विशेष मुलाकात कर बैठक ली ओर स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की रूपरेखा बनाई। इस अवसर सांसद नकुलनाथ ने महानगरों सहित इंदौर के अनुभवों की जानकारी देकर सभी के विचार सुने। अपने नि:स्वार्थ सेवा कार्य सहित कार्य कुशलता के माध्यम से दूसरी बार स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर बने शिक्षाविद समाज सेवी दीपकराज जैन कहा कि हमे स्वच्छता को अपनी आदत में लाना होगा साथ ही महाविद्यालयों सहित विद्यालयों ने आयोजन कर युवा छात्र-छात्राओं को इस अभियान से जोड़ना होगा।स्वास्थ के क्षेत्र से जुड़े डॉ. घनश्याम दुबे ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर स्वच्छता का महत्व बताएंगे एवं छिन्दवाड़ा को नम्बर बनाएंगे। संगीत के क्षेत्र से जुड़े बादल भारद्वाज ने कहा कि स्वच्छता गीतों के माध्यम से लोगों को जागरूक कर नगर को स्वच्छ बनाएंगे। खेल प्रेमी नीता नेटी ने कहा कि विविध खेलों के माध्यम से स्वच्छता को आतद में लाकर छिन्दवाड़ा को नम्बर वन बनाएंगे। इस दौरान सांसद नकुलनाथ ने महापौर विक्रम अहाके से कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में नुक्कड़ नाटक, कोविड 19 का बूस्टर डोज सहित विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से एक एक नागरिक को स्वच्छ छिन्दवाड़ा सुंदर छिन्दवाड़ा आयोजन से जोड़ा जाए विशेष रुप से नगर पालिक निगम की पूरी टीम के साथ स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर एवं स्वच्छता चैंपियंस, वार्ड पार्षद, वार्ड महोरिल सहित कर्मचारियों के अनुभव का लाभ लेकर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में छिन्दवाड़ा का एक इतिहास बनाया जाए।

सभी राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें: कलेक्टर
कलेक्टर श्रीमती पटले ने की राजस्व अधिकारियों की समीक्षा

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग के अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में एडीएम श्री ओ.पी.सनोडिया, सहायक कलेक्टर सुश्री वैशाली जैन व संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत तिर्की के साथ ही सभी एसडीएम, अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने राजस्व प्रकरणों के अंतर्गत नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं अन्य सभी मदों की अनुविभागवार और तहसीलवार विस्तृत समीक्षा के साथ ही भू-राजस्व एवं अन्य सभी मदों की मांग एवं वसूली की प्रगति, प्राकृतिक आपदा आरबीसी 6 (4) के अंतर्गत प्रकरणों एवं राहत राशि का वितरण, रेवेन्यू अकाउंटिंग सिस्टम में भुगतान, नक्शाविहीन गांवों के लिए नक्शा तैयार किए जाने, नए क्षेत्र की परिभाषा के अनुसार शहरी क्षेत्रों के लिए भूमि रिकॉर्ड तैयार किए जाने, भू-अभिलेख शुध्दिकरण, गैर कृषि भूमि का पुनर्मूल्यांकन ऑनलाइन अनुविभागीय अधिकारी द्वारा किए जाने के संबंध में वेब जीआईएस मॉड्यूल के उपयोग, तहसीलदार और पटवारियों द्वारा ऑनलाइन मोर्गेज मॉड्यूल उपयोग, भूमि बंधक मॉड्यूल का तहसीलदार तथा पटवारियों द्वारा प्रयोग, पीएम किसान सम्मान निधि व सीएम किसान कल्याण निधि के कार्यों, नजूल निवर्तन 2020 के अनुसार नजूल पट्टों के नवीनीकरण, नई नीति के अनुसार मोबाइल टावरों के लिए भूमि उपयोग हेतु लाइसेंस जारी करना आदि की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में राजस्व विभाग के अन्य बिंदुओं में विभाग के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति, आबादी सर्वेक्षण कार्यों, आवासीय भू-अधिकार योजना, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन (भू-आवंटन), भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों के निराकरण, धारणाधिकार की समीक्षा के साथ ही पेसा नियम 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई और निर्धारित समयावधि में सभी आवश्यक कार्यवाहियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये।

पेंशनरों की समस्याओं के प्रति सरकार की उदासीनता पर होगा उग्र आंदोलन
पेशंनर्स दिवस पर पेशंनरों का सम्मान समारोह

छिन्दवाड़ा । म.प्र.पेंशनर्स एसोसिएशन भोपाल जिला शाखा छिन्दवाड़ा के जिलाध्यक्ष मीर जाहिद अली एवं उपप्रांतीय उपाध्यक्ष के.एस.सेंगर ने बताया कि रीत मैरिज लॉन मोहरली रोड़ कुकड़ा जगत छिन्दवाड़ा में पंडित राम शर्मा वार्ड नं.5 के पार्षद एवं संरक्षक पेंशनर्स एसोसिएशन के मुख्य आतिथ्य में एवं शरद नामदेव के विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें तिगांव के अध्यक्ष तुकाराम बानोडे ,सौंसर के अध्यक्ष गोपाल कामोने ,उमरानाला के अध्यक्ष एस.एन.खुदरेजिया,सांवरी के अध्यक्ष गोधन पवार ,योगेन्द्र सिंह सेंगर एवं हनुमान सिंह विद्युत विभाग के अपने साथियों सहित उपस्थित हुये तथा संबोधन दिये। जयरंजन सिंह राजपूत, जे.एल.चैकीकर, अशोक भोयर, एस.के.सोनी, लक्ष्मण डेहरिया आदि वक्ताओं ने पेंशनरों की समस्याओं के प्रति सरकार की उदासीनता पर उग्र आंदोलन करने एवं आगामी विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु पेंशनर्स से आव्हान किया। उपस्थित वरिष्ठ पेंशनर्स जिन्होंने 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर लिये है ऐसे लगभग 50 महिला एवं पुरूष पेंशनरों का शॉल श्रीफल से स्वागत किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 175 पेंशनर्स का फूल मालाओं से स्वागत किया गया । एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष द्वारा पेंशनर डे मनाने का प्रचलन 17/12/1982 से सुप्रीम कोर्ट के पेंशनरो के हित में हुये ऐतिहासिक आदेश पेंशन को पेशंन पाना उनका मौलिक अधिकार है ना ही नियोक्ता की दया पर निर्भर हैं। इस दिन को याद करते हुये सम्पूर्ण देश में पेंशनर्स डे मनाया जाता है। पेंशनर्स एसोसिएशन के द्वारा पेंशनरों की मांगों के संबंध में पिछले धरना ,रैली ,ज्ञापन की जानकारी दी गयी तथा एसोसिएशन के महासम्मेलन दिनांक 11 दिसम्बर के बरगी जबलपुर सम्मेलन में लिये निर्णयों की जानकारी दी गयी माह जनवरी 2023 से लगातार माह जून तक हर जिले में हर संभाग में हर 15 दिन में बैठक कर शासन की नीतियों के बारे में एवं अंत में उग्र आंदोलन की चुनाव पूर्व रूपरेखा बनाने हेतु रणनीति की जानकारी दी गयी।

राजमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापित करने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । जिला पाल धनगर समाज छिंदवाड़ा के राष्ट्रीय महासचिव मुन्नालाल पाल के नेतृत्व में आज प्रदेश के राज्यपाल के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौपकर वार्ड नंबर 01 खजरी गाड़रीढ़ाना में शासकीय भूमि पर जिसका खसरा नंबर 396 में राजमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापित करने एवं वाटिका बनाने के लिये जमीन आवंटित करने ज्ञापन सौंपा । उक्ताशय की जानकारी पाल समाज के सुरेन्द्र पाल ने बताया कि इस जमीन का भूमि पूजन भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू जी द्वारा पूर्व में ही किया जा चुका है एवं इस जमीन पर विगत पांच वर्षो से पाल समाज द्वारा अपना कब्जा भी हैं। परंतु आज दिनांक तक उक्त जमीन पाल समाज को आवंटित नहीं की गयी है, जबकि समाज के द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन इसी भूमि पर किया जाता है । इस अवसर पर समाज के जगदीश पाल, प्रकाश पाल, शिवशंकर पाल, देवीलाल पाल, आकाश पाल, मुन्नालाल पाल, प्रहलाद पाल, राजेन्द्र पाल, नरेन्द्र पाल, रिन्कू पाल, आनंद पाल सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित थे ।

26जनवरी से शुरू होगा कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रमः मित्तल
कांग्रेस का इतिहास 138 वर्ष पुराना हैः नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा । देश को आजादी दिलाने के साथ ही भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिये कांग्रेस ने अनेकों योजनायें दी। हमारे पूर्वज और अग्रज नेताओं ने अनेकों कुर्बानियां देकर देश को एक झण्डे के नीचे खड़ा किया। देश को भेल से लेकर रेल तक की सौगातें दी यहां तक की जिन स्कूलों में देश के प्रधानमंत्री व मप्र के मुख्यमंत्री पढ़े हैं वह शाला भवन भी कांग्रेस की देन है, इस सच्चाई को जानने के बाद भी जो लोग कांग्रेस से 70 वर्षों का हिसाब मांगते हैं उनसे मैं यही कहूंगा कि हमारा इतिहास 138 वर्ष पुराना है वे अपना वजूद बतायें।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 138 वें स्थापना दिवस पर जिले के युवा सांसद नकुलनाथ ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सदैव जोडने् की बात की है, कांग्रेस की संस्कृति ही जोडने् की है परन्तु भाजपा तोडने् और बटवारे की राजनीति करती है। भारत वर्ष के प्रत्येक समाज, धर्म व संस्कृतियों को जोडने् के लिये राहुल जी कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3700 किमी की यात्रा कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर भाजपा अबसमाजों के बटवारे पर उतर आई है इन्होंने अब आदिवासी समाज तक में बटवारे का बीज बो दिया है। स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित हुये अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व मप्र के प्रभारी सी.पी. मित्तल ने इस अवसर पर कहा कि देश की आजादी में कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलनाथ ने प्रदेश को एक कार्यक्रम दिया है। हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम 26 जनवरी 2023 से प्रारंभ होगा। दो माह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेतागण पदयात्रा कर भाजपा सरकार की 18 वर्षों की नाकामियां, केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के साथ मप्र की कांग्रेस सरकार की 15 माह की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचायेंगे। इस अभियान के साथ ही युवा जोड़ो अभियान भी संचालित किया जावेगा।

सांसद कप क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी का नकुलनाथ ने किया अनावरण

छिन्दवाड़ा। जिले के लोकप्रिय सांसद श्री नकुलनाथ की प्राथमिकता में हमेशा से युवा और खिलाड़ी रहे हैं, खिलाडियों को हर संभव मदद श्री नकुलनाथ जी की ओर से उपलब्ध कराई जाती है ताकि खिलाड़ी और हमारे जिले की टीमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने जिले का नाम गौरवान्वित कर सके। लोकप्रिय खेल क्रिकेट को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों में खेल भावना जगाने की दृष्टि से सांसद श्री नकुलनाथ के प्रयासों से हर वर्ष सांसद कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है। आगामी वर्ष 2023 में आयोजित होने वाले सांसद कप क्रिकेट टूर्नामेंट की आकर्षक ट्रॉफी और वितरित किये जाने वाले पुरस्कारों का अनावरण सांसद श्री नकुलनाथ के हस्ते हुआ।

1 लाख 11 हजार 111 रुपये प्रथम पुरस्कार

सांसद कप 2023 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन युवक कांग्रेस के तत्वावधान में होगा। आयोजित टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 1 लाख 11 हजार 111 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 55 हजार 555 रुपए, विजेता, उप विजेता टीम को मेरठ से आई आकर्षक ट्रॉफी एवं मैन ऑफ दी सीरीज को पल्सर बाइक पुरस्कार स्वरूप दी जावेगी। बेस्ट बॉलर, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट विकेटकीपर, बेस्ट फील्डर, बेस्ट ऑलराउंडर को पुरस्कार में स्पोर्ट बाइक मिलेगी।

तिराहों, चौराहों पर लगे अवैध होर्डिंग एवं डिवाइडर, पोल में लगे बोर्ड को हटाने नोटिस जारी

छिंदवाड़ा । निगम आयुक्त राहुल सिंह व्दारा निगम समयसीमा की बैठक निगम सभाकक्ष में ली गई । समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम सी0एम0 हैल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा में प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत प्रत्येक शिकायत का अवलोकन कर सही जवाब फीड कराये जाने हेतु एवं लेवल 3 के जवाब आयुक्त नगर निगम से अवलोकन कराने के पश्चात ही फीड कराये जाने हेतु भूपेन्द्र मनवारे प्र0 कार्यपालन यंत्री को निर्देश प्रदान किये गये। हितग्राही मूलक शिकायतों को अच्छे से अवलोकन/परीक्षण करने के उपरांत ही वस्तुस्थिति प्रतिवेदन फीड कराने संबंधित को निर्देशित किया गया। निगम से अनुमति प्राप्त होर्डिगों में स्वीकृति कोडिंग करने हेतु एजेंसियों को पत्र लिखे हेतु हेमेन्द्र सोनी को निर्देशित किया गया एवं तिराहो, चौराहो पर लगे अवैध होर्डिंग एवं डिवाईडर, पोल में लगे बोर्ड को हटाने/नोटिस जारी करने के निर्देष भी प्रदान किये गये । रिक्त दुकानों के ऑनलाईन टेण्डर कराये जाने के निर्देष वीरेन्द्र मालवी राजस्व लिपिक को दिये गये । भवन अनुज्ञा के प्रकरणों में समयावधि पर कार्यवाही करने के निर्देष, अपने कन्सोल को ध्यानपूर्वक देखने एवं स्थल पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देष बिल्डिंग आफिसर एवं बिल्डिंग इंस्पेक्टर को दिये गये । निगम समयसीमा के प्रकरणों में सर्वसंबंधित अपने प्रतिवेदन समयावधि के भीतर फीड कराये जाने के भी निर्देष दिये गये । सडको के किनारे अतिक्रमण हटाने के संबंध में नीरज ताम्बे अतिक्रमण प्रभारी को निर्देश प्रदान किये गये ।

युवा नई तकनीकी से कृषि कार्य में स्वरोजगार स्थापित करे: नीलकंठ पटवारी
राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करने का संकल्प लें: लक्ष्मीचंद

छिंदवाड़ा। शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा में राज्य युवा नीति विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया , जिसमें विभिन्न विभागों के विषय विशेषज्ञ को आमंत्रित कर विचार-विमर्श किया गया। प्राचार्य डॉ पी आर चंदेलकर के मार्गदर्शन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया । प्राचार्य ने महाविद्यालय के ड्विवद्यार्थियों को सुझाव पेटी में सुझाव लिखकर डालने हेतु प्रेरित किया । विद्यार्थियों के सुझाव उच्च शिक्षा विभाग को भेजे जाएंगे जो राज्य युवा नीति बनाने में सहयोगी बनेंगे।आयुष विभाग से डॉ किंशुक सोनी, चिकित्सा अधिकारी शासकीय आयुर्वेद औषधालय, बनगांव ने युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के उपाय बताएं। योग और प्राणायाम को जीवन में अनिवार्य रूप से शामिल करने की बात कही। उनका सुझाव था कि युवाओं के स्वस्थ जीवन हेतु आयुर्वेद और योग को अपनाएं ।कृषि विभाग से श्री नीलकंठ पटवारी, अनुविभागीय अधिकारी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, छिंदवाड़ा ने सुझाव दिया कि जो विद्यार्थी कृषि की चार वर्षीय डिग्री प्राप्त नहीं कर सकते हैं उन्हें एक या दो वर्षीय डिप्लोमा कृषि विश्वविद्यालय में प्रारंभ किया जाए ताकि वे तकनीकी जानकारी लेकर स्वयं कृषि कार्य में स्वरोजगार स्थापित कर सकें। साथ ही उन्होंने कीटनाशकों और उर्वरकों का प्रयोग कम करने , जैविक खेती और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। उनके अनुसार शासन के द्वारा किसानों के लिए बहुत सी योजनाएं चलाई जा रही है, किंतु युवाओं हेतु और नई योजनाएं बननी चाहिए। शिक्षा विभाग से श्रीमती गीता सदाफल, व्याख्याता, कन्या परिसर छिंदवाड़ा ने युवाओं को अपने जीवन में नैतिक शिक्षा अपनाने पर बल दिया। नैतिक मूल्य मनुष्य जीवन का आधार होते हैं और उसी पर युवाओं का भविष्य टिका है । उच्च शिक्षा विभाग से डॉ लक्ष्मीचंद ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक विकास हेतु कौशल उन्नयन आवश्यक है परिवार का प्रत्येक सदस्य धन अर्जन कर सकता है यदि उसमें कौशल है। साथ ही उन्होंने कहा कि युवा की आबादी भारत में सर्वाधिक है और वह राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करने का संकल्प लें।

विद्युत अधिकारी कर्मचारियों के साथ हुई मारपीट के विरोध
पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र गिरफ्तारी मांग की

छिंदवाड़ा । विद्युत यूनाइटेड फोरम छिंदवाड़ा द्वारा चांदामेटा में बिजली बिल वसूली के दौरान उपभोक्ता द्वारा बिजली विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ किये गए जानलेवा हमले के विरोध में आज पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई है कि दोषियों पर एफ आई आर दर्ज होने के उपरांत भी गिरफ्तारी नहीं हुई है, इस कारण विद्युत कर्मचारियों में भय एवं आक्रोश गहराता जा रहा है अत: शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। उल्लेखनीय है कि बिजली बिल वसूली का टारगेट उच्च अधिकारियों द्वारा दिया जाता है एवं उसे पूरा करने का दवाव होता है, इस कारण बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को बिजली बिल वसूल करने घर घर जाना पड़ता है एवं राशि प्राप्त न होने पर लाइन का विच्छेदन भी करना पड़ता है, उक्त घटना में भी राशि प्राप्त न होने पर लाइन काटने के दौरान उपभोक्ता द्वारा शासकीय कार्यो में बाधा डालने के साथ ही साथ गली गलौच, एवं मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी गई, इस कारण चांदामेटा क्षेत्र के विद्युत अधिकारी कर्मचारी भयभीत है। यूनाइटेड फोरम ने उक्त घटना को बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए पुलिस प्रशासन एवं शासन से बिजली कर्मचारियों अधिकारियों की सुरक्षा की मांग की है एवं दोशियों पर त्वरित कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया है।

डोरवी, शिवांस, देवानन्द ने कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया

छिंदवाड़ा । उच्च शिक्षा एवं उत्तम संस्कार के लिए ख्याति प्राप्त सन्त श्री आशारामजी गुरूकुल के विद्यार्थियों ने क्युकोसिनकाई राष्ट्रीय ओपन कराटे चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर जिले को गौरान्वित किया है। यह प्रतियोगिता जिला स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन मंदसौर द्वारा 16 -18 दिसम्बर को आयोजित की गई थी। जिसमें 11 राज्यों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया था। मंदसौर जिला कलेक्टर गौतमसिंह ने प्रतियोगिता का शुभारम्भ हरि झंडी दिखाकर किया। जिसमें गुरूकुल की छात्रा डोरवी माता सुमन ग्वालवंसी क्लास फस्ट शिवांस पिता धीरज घोंघे क्लास 4th एवं देवानन्द पिता देशराज राठौर क्लास 6 ह्ल्द्ध ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वर्ण पदक जीतने वाले विद्यार्थियों को जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ऑक्टे, निगम महापौर विक्रम आहाके ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। फरवरी 2023 में उक्त विद्यार्थी नेपाल में होने वाली अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का परचम लहरायेंगे । विद्यार्थियों के पालकों ने बेहद खुशी जाहिर की ओर गुरूकुल प्रसासन की जमकर सराहना की । देवानन्द के पिता देशराज राठौड़ ने बताया कि हम लोग अमरवाड़ा विधानसभा से आदिवासी क्षेत्र के निवासी हैं। पिछले 20 वर्षों से पूज्य संत श्री आशारामजी बापू से दीक्षित हैं। समिति द्वारा जारी जनहित के सेवाकार्यों में हिस्सा लेते हैं। मेरे बड़े भाई नारायण सिंह बंजारा पूज्य बापूजी के आशिर्वाद से धुमक्कड़ जाति प्राधिकरण के निगम अध्यक्ष (राज्यमंत्री) रहे । हमारा यह अनुभव है कि जिस भी व्यक्ति ने पूज्य बापूजी से मंत्र दीक्षा ली है , उनके जीवन में अनगिनत चमत्कार हुए हैं। पूज्य बापूजी के आशिर्वाद से मेरे पुत्र देवानन्द ने हमारे कुल खानदान सहित पूरे देश का नाम रौशन किया। यह सबके लिए गर्व की बात है । राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विजय होने पर साध्वी रेखा बहन , साध्वी प्रतिमा बहन , समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई , खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई , गुरूकुल की संचालिका दर्शना खट्टर , युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े , प्रबंधक सुशील सिंह परिहार , छात्रावास प्रभारी सोमनाथ पवार , प्राचार्या वागीशा दीदी , स्पोर्ट्स टीचर मोहन वर्मा , विनोद सर एवं समस्त शिक्षण स्टॉफ़ ने शुभकामनाएं दी ।

मुख्यमंत्री चौहान ने पुडुचेरी प्रवास के दौरान किया पौधरोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुदुच्चेरी प्रवास के दौरान पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लगून सरोवर रिसोर्ट परिसर में पाम का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प के क्रम में 19 फरवरी 2021 से निरंतर प्रतिदिन पौधरोपण कर रहे हैं। प्रदेश में प्रवास के साथ-साथ प्रदेश के बाहर के प्रवास में भी वे अपने संकल्प के अनुसार प्रतिदिन पौधा अवश्य लगाते हैं।

सशस्त्र सीमा बल अकादमी में 36 प्रशिक्षु अधिकारियों का दीक्षांत परेड समारोह आयोजित

भोपाल आज सशस्त्र सीमा बल अकादमी, चंदुखेडी में 26वें सहायक कमांडेंट (सीधी भर्ती) बैच के कुल 36 प्रशिक्षु अधिकारीयों का दीक्षांत परेड समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनीश दयाल सिंह (भा.पु. से.), महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में परेड की सलामी ली तथा परेड का निरीक्षण किया।

दीक्षांत समारोह में शामिल प्रशिक्षु अधिकारी भारत के विभिन्न प्रदेशों यथा महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, झारखण्ड, तेलंगाना और तमिलनाडु के निवासी है। प्रशिक्षु अधिकारीयों का यह बैच उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त है। 36 में से 26 प्रशिक्षु अधिकारी इंजीनियर्स है तथा शेष 10 में से 03 विज्ञान से स्नात्कोत्तर, 03 विज्ञान में स्नातक तथा 04 कला स्नातक है। सशस्त्र सीमा बल अकादमी के परेड ग्राउंड में सुसज्जित दीक्षांत परेड द्वारा सवप्रथम श्री सोमित जोशी, उप-महानिरीक्षक, अकादमी तथा पुनः श्री डॉ. परेश सक्सेना भा0पु0 से0), महानिरीक्षक/ निदेशक अकादमी को भव्य सलामी दी गई। इसके उपरांत मुख्य अतिथि अनीश दयाल सिंह (भा0पु0 से0), महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल को भव्य सलामी दी गई तथा मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात राष्ट्र-धवज तथा एस. एस. बी. निशान की उपस्थिति में प्रशिक्षुओं को राष्ट्रसेना की शपथ अजित सिंह राठौड, कमांडेंट (प्रशिक्षण) द्वारा दिलवाई गई। दीक्षांत समारोह में संबोधन के दौरान मुख्य अतिथि महोदय ने प्रशिक्षुओं के कठिन श्रम व साधना द्वारा अपने प्रशिक्षण को पूर्ण करने की बधाईयाँ दी गई, तथा साथ ही उन्होंने प्रशिक्षुओं के माता-पिता का भी अभिनन्दन किया कि उन्होंने अपने सपूतों को राष्ट्र सेवा में समर्पित किया। दीक्षांत समारोह के दौरान ही वार्षिक पत्रिका %भोजपत्र% के ई-संस्करण का विमोचन किया।

भोपाल सांसद प्रज्ञा के खिलाफ कर्नाटक में एफआईआर

भोपाल। अपने घर में हथियार रखो, कुछ नहीं तो सब्जी काटने वाला चाकू तेज रखो, पता नहीं कब-कैसा मौका आ जाए...। कर्नाटक के शिवमोगा में दिए इस बयान पर भोपाल सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ एफआईआर हुई है। एफआईआर शिवमोगा के ही कांग्रेस कार्यकर्ता ने दर्ज कराई है। भोपाल सांसद ने 25 दिसंबर को यह बयान दिया था। वे शिवमोगा में आयोजित हिंदू जागरण वैदिक के दक्षिण क्षेत्र वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुई थीं।

सांसद प्रज्ञा पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। शिवमोगा जिला कांग्रेस कमेटी के एचएस सुंदरेश की शिकायत पर 28 दिसंबर को रिपोर्ट दर्ज की गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि पुलिस नजरअंदाज करती है, तो हम इस मामले को कोर्ट में ले जाएंगे। प्रज्ञा ठाकुर के विवादित बयान को लेकर कर्नाटक पुलिस ने धारा 153 (धर्म, जाति के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295 (जानबूझकर किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करना या उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए दुर्भावनापूर्ण कार्य करना) के तहत मामला दर्ज किया है। इसके अलावा धारा 153बी, 268, 298, 504 और 508 भी शामिल की है। केस शिवमोगा के कोटे थाने में दर्ज हुआ है। शिवमोगा एसपी जीके मिथुन कुमार के पास 26 दिसंबर को भी शिकायती आवेदन पहुंचा था। ये आवेदन तहसीन पूनावाला ने दिया था।

भोपाल सांसद ने कहा था- अपने घरों में हथियार रखो। कुछ नहीं तो कम से कम सब्जियां काटने के लिए चाकू तेज रखो। पता नहीं क्या स्थिति पैदा हो जाए। अगर कोई हमारे घर में घुसपैठ करता है और हम पर हमला करता है, तो मुंहतोड़ जवाब देना हमारा अधिकार है। उनके पास जिहाद की परंपरा है, अगर कुछ नहीं है, तो वे लव जिहाद करते हैं। अगर वे प्यार भी करते हैं, तो उसमें भी जिहाद करते हैं। हम भी प्यार करते हैं, भगवान से प्यार करते है। एक संन्यासी अपने भगवान से प्यार करता है। संन्यासी के अनुसार, जब तक सभी अत्याचारी और पापी लोगों को हटा नहीं दिया जाता है, तब तक ईश्वर द्वारा बनाई गई इस दुनिया में प्रेम की सच्ची परिभाषा जीवित नहीं रह सकती है।

मप्र के दिन भी सर्द

ग्वालियर-दतिया समेत 8 जिलों में कोहरा

भोपाल। मध्यप्रदेश की रातों के साथ अब दिन भी सर्द हो गए हैं। ज्यादातर शहरों में दिन का तापमान 23 से 24 डिग्री तक पहुंच गया है। रात के पारे में भी गिरावट हुई है। अगले 24 घंटे में ग्वालियर, दतिया समेत 8 जिलों में कोहरा रहेगा। मौसम विभाग ने इसे लेकर यलो अजर्ट जारी किया है।

मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। भिंड, मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कोहरे का असर रहेगा। राजधानी भोपाल में मौसम साफ रहेगा। दिन में 16 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से सर्द हवा चल सकती है। वहीं, दिन में पारा 25 डिग्री के आसपास रहेगा। रात के तापमान में थोड़ी गिरावट हो सकती है।

प्रदेश के शहरों की रातें सर्द है। नौगांव सबसे ठंडा चल रहा है। वहीं, दतिया, रीवा, गुना, खजुराहो, राजगढ़, उमरिया, सतना, रायसेन, दमोह, पचमढ़ी, सागर, सीधी, धार और रतलाम में पारा 10 डिग्री से नीचे चल रहा है। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे ठंडा है। भोपाल, जबलपुर और इंदौर में भी मौसम सर्द है। मध्यप्रदेश के कई शहरों में दिन का पारा 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। इनमें भोपाल, धार, इंदौर, पचमढ़ी, रायसेन, जबलपुर, नरसिंहपुर, रीवा आदि शहर शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, दिसंबर के अंत तक प्रदेश के हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान और आसपास के क्षेत्रों पर विद्यमान है। दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर स्थित डिप्रेशन पूर्व-उत्तर की ओर चला गया है।

इसके धीरे-धीरे आगे बढ़ने की संभावना है। यह संभावना है कि उसी क्षेत्र में एक लूप बनाएं। फिर अगले कुछ घंटों के दौरान पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर श्रीलंका में कोमोरिन क्षेत्र की ओर बढ़ें। इंडो-गंगा के मैदानी इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उच्च नमी और हल्की हवाओं के बने रहने के कारण उत्तर भारत में घना कोहरा हो गया है।

1 जनवरी से तापमान में गिरावट रहेगी

29 दिसंबर को सक्रिय सिस्टम का असर 31 दिसंबर तक रहेगा। इसके बाद दिन और रात के तापमान में गिरावट हो सकती है। इससे प्रदेश भर में ठंड अपना जोर दिखाने लगेगी। अब तक बहुत ज्यादा स्ट्रांग सिस्टम नहीं बनने के कारण ठंड का असर कम रहा है। आने वाले समय में नए सिस्टम बनने की संभावना बनने लगी है।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 21 जिलों में जिला परियोजना समन्वयक पोस्टिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 21 जिलों में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) की पदस्थापना की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने निर्धारित चयन प्रक्रिया के उपरांत चयनित व्याख्याताओं का जिला परियोजना समन्वयक के पद पर पदस्थापना के लिए आदेश जारी कर दिया है।

आदेश के अनुसार डॉ श्याम बिहारी ओझा, व्याख्याता, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय ग्वालियर से जिला परियोजना समन्वयक भिंड, रविंद्र सिंह तोमर व्याख्याता शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल ग्वालियर से जिला परियोजना समन्वयक ग्वालियर, अशोक कुमार त्रिपाठी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोती झील ग्वालियर से जिला परियोजना समन्वयक शिवपुरी, राहुल शर्मा व्याख्याता विजयपुर जिला श्योपुर से जिला परियोजना समन्वयक अशोकनगर, महेंद्र प्रताप सिंह सेंगर व्याख्याता मुरार जिला ग्वालियर से जिला परियोजना समन्वयक दतिया, प्रदीप कुमार जैन व्याख्याता संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग ग्वालियर से जिला परियोजना समन्वयक रायसेन, राजेंद्र सिंह प्राचार्य हाई स्कूल जिला शाजापुर से जिला परियोजना समन्वयक शाजापुर, सुदामा लाल गुप्ता योजना अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी रीवा से जिला परियोजना समन्वयक नीमच, आशुतोष कुशवाह सहायक परियोजना समन्वयक सीधी से जिला परियोजना समन्वयक खरगोन, ऋषि कुमार वर्मा प्राचार्य हाई स्कूल भोपाल जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी से जिला परियोजना समन्वयक ग्वालियर, मुकेश कुमार द्विवेदी व्याख्याता जिला कटनी से जिला परियोजना समन्वयक हरदा, गिरीश कुमार मिश्रा प्राचार्य हाई स्कूल जिला सागर से जिला परियोजना समन्वयक सागर, अरुण शंकर पांडे प्राचार्य छतरपुर जिला परियोजना समन्वयक पन्ना, अमरनाथ सिंह व्याख्याता जिला रीवा से जिला परियोजना समन्वयक टीकमगढ़, महेश कुमार बघेल व्याख्याता जिला सिवनी से जिला परियोजना समन्वयक सिवनी, राम लखन शुक्ला व्याख्याता जिला रीवा से जिला परियोजना समन्वयक सिंगरौली, देवकरण मिश्र प्राचार्य हाई स्कूल रीवा से जिला परियोजना समन्वयक रीवा, रमेश प्रसाद लखेर जिला परियोजना समन्वयक छतरपुर पथ पर निरंतर, राजेश तिवारी सहायक परियोजना समन्वयक रीवा से जिला परियोजना समन्वयक सीधी, सीमा गुप्ता सहायक परियोजना समन्वयक भोपाल से जिला परियोजना समन्वयक भोपाल, योगेश शर्मा जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी जबलपुर से जिला परियोजना समन्वयक जबलपुर पदस्थ किए गए हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश शासन

साढ़े 3 साल से लापता अफसर की सेवाएं समाप्त की गईं

भोपाल। साढ़े 3 साल से गायब मध्यप्रदेश कैडर की आईएएस रानी बंसल की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। मध्यप्रदेश सरकार की अनुशंसा पर सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) ने यह कार्रवाई की है। रानी बंसल देवास जिले में बतौर स्छरूपदस्थ थीं। वे मई 2019 से बिना सूचना के गायब चल रही थीं।

रानी बंसल देवास जिले के बागली में एसडीएम के पद पर पदस्थ थीं। वे 31 मई 2019 से बिना बताए गायब चल रही थीं। उन्होंने साल 2020 और 2021 में संपत्ति का ब्यौरा भी नहीं दिया था। सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) ने कई बार नोटिस जारी कर उनकी गैरहाजिरी का कारण जानने की कोशिश भी की, लेकिन जवाब नहीं मिला, जिसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने केन्द्रीय कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय को मामला भेजकर भारतीय प्रशासनिक सेवा से उनका स्वतः त्यागपत्र मंजूर करने का आग्रह किया था। इसके बाद 1 जून 2019 से उनका इस्तीफा स्वीकार मान लिया गया।

इस नियम के तहत की कार्रवाई

केन्द्रीय कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने अखिल भारतीय सेवा अवकाश नियमावली 1955 के नियम 7(2) (क) के तहत रानी बंसल का भारतीय प्रशासनिक सेवा से त्यागपत्र स्वीकार किया। राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद 16 दिसंबर आदेश जारी कर दिया गया।

2017 में सीबीआई की पूछताछ के बाद आई थीं चर्चा में

रानी बंसल के पति कस्टम में इंस्पेक्टर है। साल 2017 में जब रानी नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में पोस्टेड थीं, तब कालेधन को लेकर पूछताछ की वजह से भी वे चर्चा में आई थीं। रानी के पति के दोस्त कस्टम इंस्पेक्टर परमानंद सिंघानिया के मामले में सीबीआई ने उनसे पूछताछ की थी। सिंघानिया ने उनके खाते में चौदह लाख रुपए ट्रांसफर किए थे। उस समय रानी ने बताया था कि उनके पति ने सिंघानिया को यह राशि दी थी, जिसे उन्होंने वापस किया है।

कोरोना वापसी की आशंका से सतर्कता बढ़ी, मास्क और सैनिटाइजर की बिक्री फिर शुरू हुई

भोपाल। चीन में कोरोना के बढ़ते मामले और भारत में इसकी दस्तक देने की खबर के बाद लोग सतर्क हो गए हैं। पिछले एक साल से मास्क और सैनिटाइजर की बिक्री लगभग बंद हो गई थी। अब इसकी बिक्री फिर से शुरू हो गई है। कुछ संस्थानों ने मास्क लगाने पर फिर जोर देना शुरू कर दिया है। इस कारण लोग मास्क भी खरीद रहे हैं। दवा की दुकानों पर इम्युनिटी बढ़ाने वाली दवाओं की मांग भी बढ़ी है।

कोरोना की पहली लहर के समय बाजार में मास्क मिलना मुश्किल था। व्यापारियों ने भी इसका फायदा उठाया। पांच रुपये वाला मास्क 100 रुपये तक में बिका। धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हुई तो बिक्री भी कम हो गई और भाव भी। दूसरी लहर के समय बड़ी संख्या में मास्क की आपूर्ति हुई। सर्जिकल मास्क के साथ कपड़े के मास्क भी बाजार में पहुंचे, जिससे भाव बेतहाशा नहीं बढ़ सके। इस बार भी यही स्थिति है। बाजार में सर्जिकल मास्क भरपूर मात्रा में पहुंच गए हैं। इसकी पूछपरख शुरू हो गई है। दवा व्यापारियों के अनुसार लोग सतर्क हैं। हर दुकान पर 10 से 20 मास्क रोज बिक रहे हैं।

पुराने अनुभव से सबक, जागरूकता बढ़ी- व्यापारियों के अनुसार पुराने अनुभव से सबक लेते हुए लोग सतर्क हो गए हैं। लोगों को यह पता चल गया है कि संक्रमण से बचने के लिए सतर्क रहना जरूरी है। यही कारण है कि लोग प्रारंभिक तैयारी के रूप में मास्क पहन रहे हैं। कुछ सरकारी संस्थाओं ने मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है। इस कारण भी बाजार में मास्क की पूछपरख बढ़ी है। थोक व्यापारियों ने नया स्टाक मंगा लिया है। सैनिटाइजर के नए पैक भी बाजार में आ गए हैं। व्यापारियों के मुताबिक कोरोना से बचने के लिए लोग स्वप्रेरणा से इम्युनिटी बढ़ाने वाली दवाएं खरीद रहे हैं। विटामिन बी काम्प्लेक्स, जिंक एवं विटामिन डी युक्त दवाओं की मांग बढ़ गई है।

बाघ भ्रमण क्षेत्र के भीतर घुसकर खनन, बरसाती नाले का रास्ता मोड़ा

भोपाल। हम राजधानी में टाइगर सफारी बनाने की बात कर रहे हैं, लेकिन यहां बाघ भ्रमण क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर लंबे समय से खनन किया जा रहा है। इस दौरान बड़े स्तर पर कोपरे का खनन कर दूसरी जगहों पर डलवाया जा रहा है। खनन स्थल पर बड़ी संख्या में पेड़ों को भी काटा गया है और केरवा डैम तक वर्षा के समय जलापूर्ति करने वाले एक प्राकृतिक नाले का रास्ता भी खनन के बाद बदल दिया गया है।

मामले में शहर के एक पर्यावरण कार्यकर्ता ने कलेक्टर भोपाल और डीएफओ, भोपाल वनमंडल को शिकायत कर मामले की जांच करने को कहा है। पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान ने बताया कि मुरम खोदने के बाद उसे भोपाल में किसी भी जगह भिजवाया जा रहा है। बात करने पर वन माफिया सीधे जगह पर माल भेजने की बात कर रहा है।

केरवा स्थित ग्राम दौलतपुर विपश्यना केंद्र के पास स्थित वन भूमि में वन विभाग द्वारा घोषित बाघ परिभ्रमण क्षेत्र के अंदर लगी 10 फीट ऊंची जालियों के अंदर घुसकर वन माफिया ने बड़े पैमाने पर खनन किया है। खनन के कारण यहां के एक बरसाती नाले का प्राकृतिक स्वरूप भी बदल गया है। वन माफिया द्वारा यहां पर खनन के लिए मशीनरी का उपयोग भी किया जा रहा है। खनन स्थल पर बाघ की फेंसिंग को तोड़कर महीने से अवैध खनन चल रहा है, जबकि इस जगह पर प्रतिदिन वन विभाग का गश्ती दल गश्त करता रहता है। मुरम को खोदकर पास के खेतों में डाला जा रहा है।

जिस बरसाती नाले का स्वरूप खुदाई के बाद बदल दिया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह वर्षा ऋतु में केरवा डैम तक वर्षा जल को पहुंचाता है। ऐसे में प्राकृतिक जल स्रोतों का स्वरूप बदलने से केरवा डैम के जलभराव पर फर्क पड़ना स्वाभाविक है। इसके पूर्व भी इस क्षेत्र में खनन के दौरान कई बरसाती नालों का स्वरूप बदल दिया गया है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ों को काटने, मुरम को बेचने का काम चल रहा है। वन माफिया बेखौफ होकर खनन की बिक्री कर रहा है। बात करने पर मुरम बेचने की भी बात करता है।

विधायक रामबाई ने घूस मांगने पर कर्मचारियों को फटकारा- भगवान को क्या मुंह दिखाओगे!

दमोह। चलो राशि डालो... चल डाल अबई। आदमियों को मूर्ख समझ रखा है क्या? दस-दस हजार रुपए लेकर बिजनेस बना लिया है। कुछ तो मानवता दिखाओ, भगवान को जाकर क्या मुंह दिखाओगे! गुस्से से भरे ये शब्द हैं एमपी के दमोह जिले के पथरिया से विधायक रामबाई सिंह के। रामबाई एक बार फिर अपने दबंग अंदाज के कारण चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने दमोह नगरपालिका में जाकर घूस मांगने पर कर्मचारियों की क्लास ली और अपना गुस्सा जाहिर करते हुए उन्हें फटकार लगाई। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार और खाऊखोरी सिर्फ दमोह ही नहीं पूरे प्रदेश में चरम पर है।

असल में पथरिया से बसपा विधायक रामबाई सिंह परिहार मंगलवार शाम बटियागढ़ जनपद में जनसुनवाई करने के बाद दमोह जा रही थीं। इसी बीच बजरिया वार्ड क्रमांक छह के रहने वाले लक्ष्मण सूर्यवंशी नाम के युवक ने उन्हें फोन लगाया। लक्ष्मण ने बताया कि उसके क्रू आवास की किस्त नहीं मिल रही है। कर्मचारी उससे 10 हजार रुपए रिश्वत मांग रहे हैं। विधायक ने फोन पर उस युवक से कहा कि तुम वहीं ठहरो, मैं अभी आती हूं। कुछ देर बाद विधायक सीधे दमोह नगरपालिका कार्यालय पहुंची। उन्होंने लक्ष्मण को फोन लगाया, जो विधायक को रिश्वत मांगने वाले कर्मचारी के पास ले गया। गुस्से में विधायक ने उस कर्मचारी से कहा कि इस लड़के की पीएम आवास की किस्त अभी डालो, कर्मचारी ने कुछ आनाकानी की तो विधायक को गुस्सा आ गया और उन्होंने बुंदेलखंडी में चिल्लाते हुए अभी किस्त डालने के लिए कहा। इस दौरान वहां मौजूद पार्षद रघु श्रीवास्तव से उन्होंने कहा कि आप पार्षद बन गए हैं, लोगों की मदद कीजिए।

विधायक बोली दमोह ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश में चरम पर है भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने के बाद विधायक ने कर्मचारी को फटकार लगाते युवक और उसके पिता की पीएम आवास की किस्त की राशि डलवाई। इसके बाद उन्होंने कहा गरीबों को गुमराह किया जा रहा है। उनसे जबरन वसूली की जाती है। दमोह ही नहीं पूरे प्रदेश का यही हाल है। भ्रष्टाचार और खाऊखोरी चरम पर चल रही है। विधायक ने आरोपी कर्मचारी के सामने खड़े होकर उससे कहा कि अभी तत्काल राशि जारी करो। कर्मचारी ने जब कहा कि राशि डाल रहे हैं, तो विधायक ने पूछा कि राशि कब तक खाते में आ जाएगी। इस पर दूसरे कर्मचारी ने बताया कि राशि खाते तक पहुंचने में 24 से 48 घंटे का समय लग जाता है। विधायक ने लक्ष्मण से कहा कि अगर राशि खाते में न आए तो मुझे बताना, मुझे कॉल करना।